● वर्ष-3
● अंक-286
रायपुर, बुधवार
10 जुलाई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› ऐसे इस्तेमाल करें मॉइश्चराइजर

भारत रूस की दोस्ती में नया आयाम जुड़ा

परमाणु ऊर्जा पर साथ में करेंगे काम, 6 हाईपावर न्यूक्लियर प्लांट्स भारत में लगाए जाएंगे

नई दिल्ली। भारत रूस की दोस्ती में एक नया आयाम जुड़ गया है। परमाणु ऊर्जा को लेकर एक बड़ा फैसला लिया गया है। जल्द ही भारत रूसी एटोमिक एजेंसी के साथ जुड़कर परमाणु ऊर्जा पर काम करेगा। भारत और रूस की एटामिक एजेंसी 6 हजार हाईपावर न्यूक्लियर प्लांट्स बनाएंगे। ये सभी प्लांट भारत में लगाए जाएंगे। एनर्जी इस वक्त पूरी दुनिया के लिए सबसे बड़ी चिंता, चुनौती और उपलब्धि भी है। दुनिया का हर देश इस दिशा में कुछ करना चाहता है और इसे पाना चाहता है। इसलिए ये बड़ा फैसला लिया गया है। यह घोषणा तब हुई है जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 22वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय महत्वपूर्ण यात्रा पर रूस में हैं। भारत और रूस ने भारत में अतिरिक्त परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण पर चर्चा की, रूस के रोसाटॉम ने भी इसकी पुष्टि की। राज्य परमाणु ऊर्जा निगम रोसाटॉम (रोसाटोम) एक रूसी बहु-उद्योग होल्डिंग कंपनी है जिसमें पावर इंजीनियरिंग, मशीन निर्माण और निर्माण क्षेत्र की संपत्तियां शामिल हैं। इसकी रणनीति पवन ऊर्जा सहित कम कार्बन उत्पादन विकसित करना है। रोसाटॉम ने आगे बताया कि रूस और भारत उत्तरी समुद्री मार्ग की पारगमन क्षमता को संयुक्त रूप से विकसित करने के बारे में बातचीत कर रहे हैं। दोनों देश रूसी सुदूर पूर्वी बंदरगाहों पर ट्रांस-शिपमेंट के साथ, उत्तरी समुद्री मार्ग के माध्यम से भारतीय बंदरगाहों तक रूसी ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति की संभावना पर चर्चा कर रहे हैं। वे उत्तरी समुद्री मार्ग के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय कंटेनर पारगमन के लिए एक पायलट लाइन स्थापित करने के विकल्प भी तलाश रहे हैं।

एनर्जी सेक्टर सहयोग का स्तंभ

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और रूस के बीच ईंधन व्यापार के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इसने न केवल भारतीयों को मुद्रास्फीति से बचाया बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थिरता भी लाई। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मंगलवार को मॉस्को में मीडिया को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब दुनिया ईंधन की चुनौती का सामना कर रही थी, तब आपके समर्थन ने हमें भारत में लोगों की पेट्रोल और डीजल की जरूरतों को पूरा करने में मदद की। इतना ही नहीं, दुनिया को यह स्वीकार करना चाहिए कि ईंधन को लेकर भारत-रूस समझौते ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थिरता लाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

मोदी को मिला रूस का सर्वोच्च सम्मान, पुतिन ने अपने हाथों से पहनाया ऑर्डर ऑफ द सेंट एंड्रयू एपोस्टल

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि रूस के सर्वोच्च ऑवर्ड से सम्मानित करने के लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। ये सम्मान केवल मेरा सम्मान नहीं है बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान है। यह भारत और रूस की सदियों पुरानी गहरी मित्रता और आपसी विश्वास का सम्मान है। इस आदेश की स्थापना 1698 में ज़ार पीटर द ग्रेट द्वारा, यीशु के पहले प्रेरित और रूस के संरक्षक संत, सेंट एंड्रयू के सम्मान में की गई थी। यह केवल सबसे उत्कृष्ट नागरिक या सैन्य योग्यता के लिए प्रदान किया जाता है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ रोसेटम पवेलियन का दौरा किया और कहा कि ऊर्जा भारत और रूस के बीच सहयोग का महत्वपूर्ण स्तंभ है तथा नई दिल्ली इस क्षेत्र में मॉस्को के साथ संबंध और मजबूत करने को लेकर आशान्वित है। मोदी ने वीडीएनकेएच के रोसेटम मंडप में असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-रूस सहयोग को समर्पित एक फोटो प्रदर्शनी देखी, जिसका उद्घाटन नवंबर 2023 में किया गया था।

कठुआ की शहीदों का बदला लेंगे

बुरी ताकतों को सीधी चेतावनी

जम्मू। रक्षा सचिव गिरिधर अरामाने ने 9 जुलाई को कहा कि जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकी हमला, जिसमें पांच भारतीय सेना के जवानों की जान चली गई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश इसके पीछे की बुरी ताकतों को हरा देगा। आक्रमण करना। विशेष रूप से, प्रतिबंधित पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के छाया संगठन कश्मीर टाइगर्स ने हमले की जिम्मेदारी ली है। सचिव ने हमले पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि शहीद जवानों की सेवा को याद रखा जायेगा।

मैं कठुआ के बदनोटा में आतंकवादी हमले में पांच बहादुर जवानों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा और उनके बलिदान का बदला नहीं लिया जाएगा और भारत हमले के पीछे की बुरी ताकतों को हरा देगा।

कठुआ में आतंकी हमला- आतंकवादियों ने सोमवार को कठुआ में भारतीय सेना के एक वाहन पर गोलीबारी की, जिसमें पांच सैनिक मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। उन्होंने कठुआ शहर से लगभग 150 किलोमीटर दूर लोहाई मल्हार में बदनोटा गांव के पास माचेडी-किंडली-मल्हार रोड पर दोपहर करीब 3:30 बजे ग्रेनेड और गोलियों से सेना के एक ट्रक को निशाना बनाया, जो एक नियमित गश्ती दल का हिस्सा था। हमले के बाद, आतंकवादी पास के जंगल में भाग गए, जबकि पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों के सहयोग से सेना ने जवाबी कार्रवाई की।

खालिस्तानियों पर सरकार का बड़ा एक्शन,

सिख फॉर जस्टिस पर अगले 5 साल के लिए प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने मंगलवार को खालिस्तानी समर्थक आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून के संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) पर प्रतिबंध को पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। आतंकी संगठन पर पहली बार 2019 में प्रतिबंध लगाया गया था। एएनआई ने बताया कि गृह मंत्रालय ने आतंकवादी समूह पर प्रतिबंध 10 जुलाई से पांच साल के लिए बढ़ा दिया है।एक अधिसूचना में, गृह मंत्रालय ने कहा कि एसएफजे भारत की आंतरिक सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए हानिकारक गतिविधियों में शामिल रहा है। मंत्रालय ने कहा कि एसएफजे की गतिविधियों में देश की शांति, एकता और अखंडता को बाधित करने की क्षमता है।

मंत्रालय के अनुसार, एसएफजे को भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बाधित करने के इरादे से पंजाब में राष्ट्र-विरोधी और विध्वंसक गतिविधियों में शामिल पाया गया है। एसएफजे पर आरोप लगाया गया है कि वह आतंकवादी

संगठनों और कार्यकर्ताओं के साथ निकट संपर्क में है और भारत संघ के क्षेत्र से एक संप्रभु खालिस्तान बनाने के लिए पंजाब और अन्य जगहों पर उग्रवाद और उग्रवाद के हिंसक रूप का समर्थन कर रहा है। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि खालिस्तान समर्थक संगठन भारत संघ से भारतीय क्षेत्र के एक हिस्से को अलग करने की गतिविधियों को प्रोत्साहित और सहायता कर रहा है और भारत और अन्य जगहों पर इस उद्देश्य के लिए लड़ने वाले अलगाववादी समूहों का समर्थन कर रहा है।

केंद्र की राय है कि यदि एसएफजे की गैरकानूनी गतिविधियों को तुरंत नियंत्रित नहीं किया गया, तो खालिस्तानी समर्थक संगठन सरकार को अस्थिर करके भारत संघ के क्षेत्र से खालिस्तान राष्ट्र को अलग करने के प्रयासों सहित अपनी विध्वंसक गतिविधियों को बढ़ा देगा। केंद्र ने कहा कि अगर अनियंत्रित हुआ तो पन्नून के नेतृत्व वाला संगठन पंजाब को भारत संघ से अलग करने और खालिस्तान के गठन की वकालत करना जारी रखेगा।

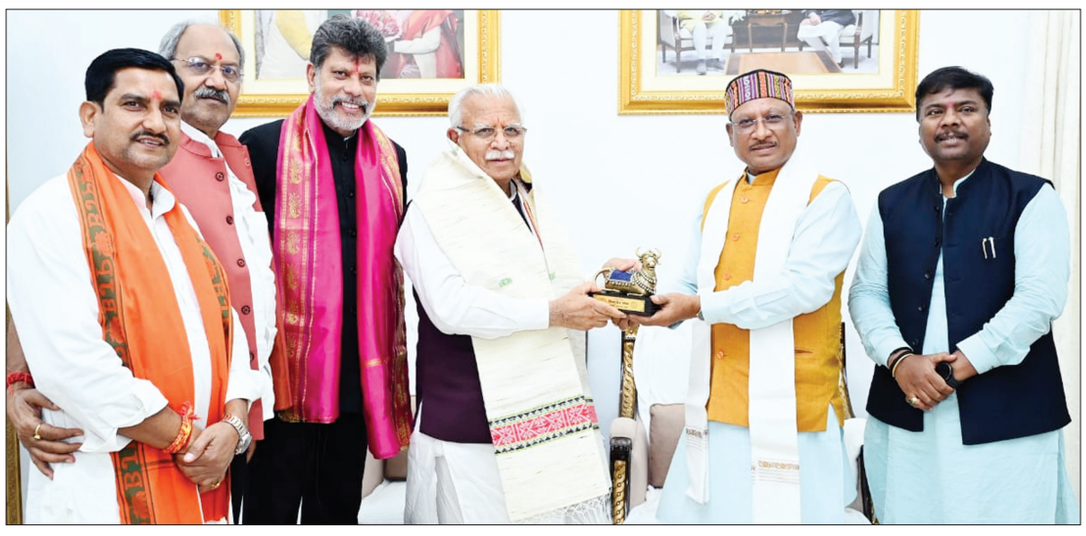

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, मंत्रीगण, सांसद गण माजूद रहे।

प्रमुख समाचार

'राहुल गांधी को संसद के अंदर बंद करके मारने चाहिए थप्पड़'

नई दिल्ली। भाजपा विधायक भरत शेट्टी ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी को उनकी कथित हिंदू विरोधी टिप्पणियों के लिए संसद में बंद कर देना चाहिए और थप्पड़ मारना चाहिए। बीजेपी नेता लोकसभा में राहुल गांधी के हिंदू समुदाय को लेकर दिए गए हालिया भाषण के खिलाफ मंगलुरु में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। राहुल ने कहा था कि जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं वे %केवल हिंसा, नफरत और झूठ के बारे में बात करते हैं।% शेट्टी ने एक विरोध मार्च को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू समाज वह है जो शास्त्रों का उपयोग करना उतना ही जानता है जितना वह शास्त्रों (हथियारों) पर विश्वास करता है। लेकिन, हम इसका उपयोग करने में निष्क्रिय हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि राहुल गांधी सभी हिंदुओं को इनका इस्तेमाल करने के लिए जागृत करने की कोशिश कर रहे हैं.% कभी-कभी मुझे लगता है कि अच्छा होता कि कोई उन्हें संसद के अंदर बंद कर देता और दो थप्पड़ मार देता। इस कार्रवाई से सात से आठ एफआईआर दर्ज होंगी।

दिव्यांगजन कानून लागू करने में सरकार नाकाम: सप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने विकलांग व्यक्ति अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने और बैकलॉग रिक्तियों को भरने में विफल रहने के लिए केंद्र को फटकार लगाते हुए 2009 में सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) पास करने वाले 100 प्रतिशत दृष्टिबाधित उम्मीदवार को तीन महीने के भीतर नियुक्त करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि भारत संघ की ओर से घोर चूक हुई है। पीडब्ल्यूडी अधिनियम, 1995 के प्रावधानों को तुरंत लागू करने में। दुर्भाग्य से, इस मामले में अपीलकर्ता ने एक ऐसा रुख अपनाया है जो विकलांग व्यक्तियों के लाभ के लिए कानून बनाने के मूल उद्देश्य को विफल करता है। यदि अपीलकर्ता ने विकलांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों की सुरक्षा और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 को उसके वास्तविक अक्षरश और भावना में लागू किया होता, तो प्रतिवादी नंबर 1 (दृष्टिबाधित उम्मीदवार) को दर-दर भटकने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ता। लिखित परीक्षा और साक्षात्कार लेने के बाद, श्रीवास्तव को नियुक्ति से वंचित कर दिया गया।

महुआ मोइत्रा के खिलाफ दिल्ली में केस दर्ज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) प्रमुख रेखा शर्मा के खिलाफ कथित टिप्पणी को लेकर तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद दिल्ली पुलिस ने एक्स से विवरण मांगा है। इससे पहले, एनसीडब्ल्यू ने मोइत्रा की टिप्पणियों पर स्वत- संज्ञान लिया था और उनके खिलाफ एफआईआर की मांग की थी। 4 जुलाई को मोइत्रा ने एक वीडियो पोस्ट किया था। दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ इकाई ने रविवार को कृष्णानगर सांसद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। दिल्ली पुलिस पीआरओ, डीसीपी सुमन नलवा ने कहा, उन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 के तहत मामला दर्ज किया गया था, जो किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से काम करने, हावभाव या कृत्य से संबंधित है। आईएफएसओ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, एक बार प्रतिक्रिया प्राप्त होने के बाद, मोइत्रा को द्वारका में आईएफएसओ के कार्यालय में बुलाने के लिए कॉल किया जाएगा। आयोग ने पाया कि इस टिप्पणी के लिए बीएनएस की धारा 79 के तहत मामला बनता है।

प्रयागराज में दीवारों पर उकेरा जायेगा महाकुंभ का इतिहास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार संगम नगरी प्रयागराज में 2025 में होने वाले महाकुंभ को यादगार बनाने के लिये दीवारों पर महाकुंभ मेले का इतिहास व महत्व उकेरा कर पर्यटकों को आकर्षित किया जायेगा। इसके अलावा एक ही थीम पर सभी प्रमुख सड़कों का सुंदरीकरण किया जाएगा। मुख्य चौराहों पर प्रयागराज की संस्कृति और इतिहास को दर्शाती मूर्तियों की स्थापना की जाएगी। महाकुंभ मेले के लिए 36 चौराहों को सजाया जाएगा। महाकुंभ को भव्य बनाने के लिए प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात की अध्यक्षता में मेला प्राधिकरण के अधिकारी पूरे मनोयोग से काम कर रहे हैं। प्रमुख सचिव लगातार महाकुंभ मेला के लिए सड़कों के सुंदरीकरण, लाइटिंग, वाल पेंटिंग, मूर्तियों की स्थापना, साइनेज और हार्टिकल्चर परियोजना की समीक्षा कर रहे हैं। उनकी तरफ से निर्देश जारी किये गये हैं कि सड़कों का सुंदरीकरण एक ही थीम पर किया जाए। स्ट्रीट लाइटें व एक ही प्रकार के हरियाली वाले तथा फूलों के पौधे लगाए जाएं।

राहुल की जगह गौतम गंभीर बने टीम इंडिया के हेड कोच

नई दिल्ली। आखिरकार इंतजार खत्म हुआ और लगातार चल रही अटकलों पर मुहर लग गई। दरअसल, भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर को नई जिम्मेदारी मिली है। उन्हें टीम इंडिया का नया हेड कोच बनाया गया है। उन्होंने राहुल द्रविड़ की जगह ली है, साथ ही बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने इसकी घोषणा की है। बता दें कि, भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 वर्ल्ड कप 2024 तक ही था। द्रविड़ की कोचिंग में टीम इंडिया ने हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। वहीं द्रविड़ ने टी20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद हेड कोच का पद संभाला था, और उनका कार्यकाल वनडे वर्ल्ड कप 2023 तक ही था। जिसके बाद बीसीसीआई ने उनका कार्यकाल बढ़ा दिया। 42 वर्षीय के गंभीर श्रीलंका के खिलाफ आगामी सीरीज से कार्यभार संभालेंगे। जहां टीम इंडिया 27 जुलाई 2024 से शुरू होने वाले 3 एकदिवसीय और 3 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली है।

सीएसआईडीसी के सारे रेट कॉन्ट्रेक्ट जुलाई माह के अंत तक हो जाएंगे निरस्त

भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने साय सरकार का अहम फैसला

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कैबिनेट में शासकीय समानों की खरीदी गड़बड़ी और भ्रष्टाचार की रोकथाम के मद्देनजर आज एक बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट ने सीएसआईडीसी के माध्यम से खरीदी में भ्रष्टाचार की शिकायतों को देखते हुए इसके सभी रेट कॉन्ट्रेक्ट को जुलाई माह के अंत तक निरस्त करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि पूर्ववर्ती सरकार ने जेम पोर्टल से खरीदी पर रोक लगा दी थी, शासकीय सामग्री की खरीदी में दिक्कत, गुणवत्ता का अभाव एवं भ्रष्टाचार की शिकायतें काफी बढ़ गई थी।

साय सरकार ने इसको गंभीरता से लेते हुए न सिर्फ भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने का फैसला लिया है, बल्कि जेम के माध्यम से खरीदी की व्यवस्था को फिर से बहाल कर शासकीय सामग्री की खरीदी में पारदर्शिता सुनिश्चित की है। विष्णु सरकार का यह फैसला सुशासन की दिशा में एक और कदम है।

कैबिनेट बैठक में छत्तीसगढ़ शासन भण्डार क्रय नियम 2002 के (यथा संशोधित 2022) में संशोधन प्रारूप का अनुमोदन किया गया। राज्य शासन के सभी विभाग आवश्यकतानुसार सामग्री, वस्तुओं एवं सेवाएं, जिनकी दरें एवं विशिष्टियां भारत सरकार के डीजीएसएण्डडी की जेम वेबसाइट में उपलब्ध हों, का क्रय जेम वेबसाईट से नियमानुसार निर्धारित प्रक्रिया पालन कर करेंगे। अतिरिक्त आवश्यकता होने पर सामग्री, वस्तु एवं सेवाओं के क्रय के संबंधित विभागों को वित्त विभाग से अनुमति लेना होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इसके अलावा और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्ण रूप से लागू करने का निर्णय लिया गया। नई शिक्षा नीति के तहत कक्षा 5वीं तक बच्चों को स्थानीय भाषा-बोली में शिक्षा दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही प्री-प्राइमरी से 12 वीं तक सबको शिक्षा उपलब्ध कराने की अनुशंसा की गई है। इस नवीन शिक्षा नीति के तहत समतामूलक और समावेशी शिक्षा प्रदान करने के साथ ही प्रचलित शैक्षणिक संरचना 10+2 के स्थान पर 5+3+3+4 लागू किया गया है। बैठक में निर्णय लिया गया कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा वन और जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा वन अधिकार अधिनियम के तहत व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रधारकों की मृत्यु होने पर वारिसानों के नाम पर काबिज वन भूमि का हस्तांतरण राजस्व या वन अभिलेखों में दर्ज करने संबंधित कार्यवाही के लिए प्रक्रिया प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इससे भविष्य में नक्शा का जिओ रिफ्रेंसिंग होने से भूखण्ड का आधार नंबर भी लिया जाएगा। इसका उपयोग नामांतरण, सीमांकन, बटवारा आदि में किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ सशस्त्र सहायक प्लाटून कमाण्डर (नर्सिंग), प्रधान आरक्षक (नर्सिंग), मेल नर्स, फिमेल नर्स, लैब टेक्निशियन, फार्मासिस्ट, नर्सिंग असिस्टेंड, कम्पाउण्डर, ड्रेसर, आरक्षक (बैण्ड), आरक्षक (श्वान दल) भर्ती प्रक्रिया वर्ष-2023 के तहत छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासियों को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट अनारक्षित वर्ग को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा के अतिरिक्त एक बार के लिए 05 वर्ष की छूट एवं आरक्षित वर्ग को पहले से 05 वर्ष की आयु शिथिलीकरण के अतिरिक्त, एक बार के लिए, निर्धारित आयु सीमा में 05 वर्ष की और छूट प्रदान की जाएगी। प्रदेश में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के सफल क्रियान्वयन, सुशासन एवं जनसमस्याओं के समाधान के लिए एक पृथक विभाग ''सुशासन एवं अभिसरण विभाग'' का गठन किया गया है। जिसमें ई-समीक्षा, ई-लोकसेवा गारंटी एवं डिजिटल सेक्रेटरियेट को शामिल किए जाने के संबंध में मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ शासन कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। पूर्व में ये शाखाएं सामान्य प्रशासन विभाग में थी। नवा रायपुर में आवासहीन, आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न वर्ग के परिवारों को आवास मुहैया के लिए पंजीयन की तिथि में तीन वर्ष की वृद्धि कर दी गई है। राज्य सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत नवा रायपुर में आवासों का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें हितग्राहियों को न्यूनतम मूल्य में आवास प्रदान करने के लिए पूर्व में जारी दिशा-निर्देशों को यथावत् रखा गया है। आवासों के पंजीयन की तिथि को 31 मार्च 2024 से बढ़ाकर 31 मार्च 2027 तक कर दिया गया है। इस निर्णय से अभी तक रिक्त मकानों के पंजीयन में वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर छत्तीसगढ़ राज्य राजधानी क्षेत्र तथा संबंधित प्राधिकरण की स्थापना के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने की प्रक्रिया के लिए नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को अधिकृत किया गया है और इसके लिए आवास एवं पर्यावरण विभाग को प्रशासकीय विभाग बनाया गया है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा चालू वित्तीय वर्ष की बजट में 5 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य संवर्ग के भारतीय वन सेवा में वर्ष 1992 से 1994 तक के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद पर पदस्थ 06 अधिकारियों को गैर-कार्यात्मक आधार पर यथास्थान प्रधान मुख्य वन संरक्षक स्तर के समतुल्य वेतनमान 01 जनवरी 2024 से प्रदान करने हेतु भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, से सहमति प्राप्त की जाएगी।

प्रशासन ने नहीं सुनी तो ग्रामीणों ने खुद ही बना ली पुलिया

■ चंदा जुटाकर शुरु किया काम

बीजापुर। बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लाक के धनगोल गांव के ग्रामीणों ने एक मिसाल पेश की है। ग्रामीण लगातार प्रशासन से लेकर जनप्रतिनिधियों तक से पुलिया की मांग करते रहे। लेकिन किसी ने भी इनकी नहीं सुनी, तब जाकर ग्रामीणों का सब्र टूटा और गांव में ही लोगों ने 100 - 100 रुपये चंदा जोड़कर मशीनरी लगाई और ताड़ के तनों से ध्वस्त हुए पुलिये पर रपटा बनाना शुरू कर दिया। गांव वालों का दावा है कि यह रपटा तीन दिनों में बनकर तैयार हो जाएगा। हालांकि यह रपटा वैकल्पिक है, इस रपटे से पैदल व दो पहिया वाहन वाले ही पार हो सकेंगे।

बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लाक के धनगोल पंचायत का यह मामला है, जहां प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से एक अदद पुलिया की फरियाद करते ग्रामीण थक चुके थे। तब ग्रामीण प्रशासन से

उम्मीद छोड़ बारिश में पेश आने वाली कठिनाईयों से बचने श्रमदान के बूते जुगाड़ की पुलिया को आकार देने में व्यस्त हो गए। नेशनल हाईवे से महत 3 किमी दूर धनगोल गांव को जोड़ती कच्ची सड़क में बनी यह पुलिया करीब पांच साल पहले ढह गई थी। जिसके चलते बारिश के दिनों में उफनते नाले से गांव वालों की मुश्किलें बढ़ जाती थी। 50 परिवारों तक ना तो एंबुलेंस पहुंच पाती थी और ना ही दुपहिया वाहन से नेशनल हाईवे तक पहुंचा जा सकता था।

बारिश के मौसम में पुलिया के अभाव में गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क लगभग टूट ही जाता था। धनगोल गांव के सरपंच नागैया समेत ग्रामीणों का कहना है कि इस परेशानी से निजात पाने दफतरों से लेकर जनप्रतिनिधियों से लगातार गुहार लगाते रहें, लेकिन किसी ने उनकी नहीं सुनी।चुनाव के वक्त भी राजनीतिक दलों के प्रत्याशी, कार्यकर्ता पहुंचे, उनसे बारम्बार मिन्नतें की गई, भरोसा मिला कि चुनाव जीतते पहली प्राथमिकता पुलिया का निर्माण कराया जाएगा। चुनाव खत्म हो गए, लेकिन आश्वासन के सिवाए उन्हें हासिल कुछ नहीं हुआ।

सरकारी दफतर से लेकर विधायक तक मिन्नतें कर जब हासिल कुछ नहीं हुआ तो गांव वालों का सब्र टूट गया और तय हुआ कि प्रशासन हो चाहे नेता, इनसे उम्मीद रखने से बेहतर अपनी परेशानी का हल खुद निकालने का निर्णय गांव वालों ने लिया।

सहमति बनी और खुदाई के लिए टैक्टर आदि मशीनरी को काम पर लगाने गांव वालों ने 100-100 रूपए चंदा जोड़ा।वैकल्पिक व्यवस्था में ध्वस्त पुलिया पर रपटे की योजना बनाई गई। जिसमें गांव वालों ने इको फ्रेंडली तकनीक को आजमाया। इलाके में ताड़ वृक्षों की बहुलता के मद्देनजर वृक्ष के तनों के सहारे रपटे को आकार देना शुरू किया।गांव वालों का दावा है कि तीन दिन के भीतर उनकी जुगाड़ की पुलिया बनकर तैयार हो जाएगी। हालांकि यह उतनी टिकाउ नहीं होगी कि इस पर से टैक्टर या चार पहिया वाहन गुजर सके। एक मोटरसाइकिल और पैदल चलकर ही लोग पार हो पाएंगे। बहरहाल धनगोल में ग्रामीणों की आपबीती और मौजूदा हालात सिस्टम को मुंह चिढ़ा रहे हैं।

बलरामपुर में यात्री बस पलटी

बलरामपुर। जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह यात्री बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में कई यात्री घायल हो गए। बस में लगभग 25 यात्री सवार थे। बस अंबिकापुर से उत्तरप्रदेश जा रही थी, तभी ये हादसा हुआ।

अंबिकापुर से यात्रियों को लेकर छाबड़ा ट्रेवल्स की बस उत्तरप्रदेश जा रही थी। बस का नंबर (सीजी 15 डीक्यू 4366) है। सुबह जैसे ही बस बसंतपुर थाना क्षेत्र के फुलीडुमर घाट पहुंची, वहां बस का ब्रेक फेल हो गया। बस अनियंत्रित होकर पलट गई। वहां से गुजर रहे लोगों ने इस मंजर को देखा और स्थानीय पुलिस और आसपास के लोगों को बस पलटने की जानकारी दी। आसपास रहने वाले बस्ती के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। आसपास के बस्ती में रहने वाले लोग मौके पर पहुंचे उन्होंने यात्री बस की खिड़कियों का शीशा तोड़ा और घायल यात्रियों को बस से बाहर निकाला।

बस एक्सीडेंट में घायल हुए यात्रियों को इलाज के लिए तुरंत वाड्रफनगर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां घायलों का इलाज चल रहा है। सभी यात्रियों की हालत स्थिर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि बस का ब्रेक फेल होने के कारण बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बता दें छत्तीसगढ़ उत्तरप्रदेश के चेकपोस्ट के नजदीक फुलीडुमर घाट पर आए दिन सड़क हादसे होते ही रहते हैं।

नडपल्ली घटना को लेकर कांग्रेस के बाद अब सर्व आदिवासी समाज ने भी गठित की जांच समिति

बीजापुर। बीजापुर जिले के उसूर विकासखण्ड के तहत ग्राम नड़पल्ली में पुलिस प्रशासन द्वारा जबरन ग्रामीणों को कैंप में लाने तथा अत्याचार और प्रताड़ना की घटना सोशल मीडिया में आने की बात को गंभीरता से लेते हुए बीते दिनों प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने वरिष्ठ विधायक लखेश्वर बघेल के नेतृत्व में छह सदस्यीय जांच समिति का गठन किया था। कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित जांच समिति में बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल, बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी, नारायणपुर के पूर्व विधायक चंदन कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर व नीना रावतिया शामिल हैं।

कांग्रेस की यह समिति घटनास्थल जाकर पीड़ित और ग्रामीणों से चर्चा कर रिपोर्ट पीसीसी को सौपेगी। वहीं दूसरी ओर मंगलवार को सर्व आदिवासी समाज ने भी नडपल्ली घटना को लेकर 21 सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया। सर्व आदिवासी समाज की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि सर्व आदिवासी समाज के संभागीय अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर द्वारा बीजापुर जिला इकाई के अध्यक्ष जग्गूराम तेलामी के नेतृत्व में 21 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है।

जांच दल में जग्गू राम तेलामी समन्वयक, पांडू राम तेलाम, सीताराम मांझी, हरिकृष्ण कोरसा, पाकलू तेलम, राजू कलमूम, श्रवण सैंड्रा, अमित कोरसा, कुंवर सिंह मज्जी, भावसिंह भास्कर, मोटू वटी, अनिल पामभोई, सीएस नेताम, सुखराम कवासी, विनय उइके, रामलाल कर्मा, रानू सोरी, विनीता बघेल, सुहागा तारम,जमुना कोरसा और सीता कोरसा शामिल रहेंगे।

जांच समिति के सदस्यों से आग्रह किया गया है कि वे अविलंब प्रभावित गांव के पीड़ितों सहित स्थानीय ग्रामवासियों से भेंट,चर्चा कर घटना की वस्तुस्थिति से अवगत होकर अपना प्रतिवेदन संभागीय नेतृत्व को प्रेषित करेंगे।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गए जिला अस्पताल के सफाई कर्मचारी

■ दंतेवाड़ा जिला अस्पताल में लगे मुर्दाबाद के नारे

दंतेवाड़ा। जिला अस्पताल दंतेवाड़ा में आज घंटों अफर तफरी का माहौल बना रहा। अस्पताल में आउट सोर्सिंग के विरोध में अस्पताल के सफाई कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। नाराज सफाई कर्मचारियों का आरोप है कि वो शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जता रहे थे। सिविल सर्जन के आदेश पर उनको अस्पताल से बाहर कर दिया गया।

जिला अस्पताल में वर्तमान में 18 सफाई कर्मी और दो सुपरवाइजर तैनात हैं। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि प्रशासन ने तय किया है कि अब ठेके पर सफाई की प्रक्रिया होगी। सफाई कर्मियों को जैसे ही पता चला कि अस्पताल में आउट सोर्सिंग के जरिए अब साफ सफाई होगी कर्मचारी नाराज हो गए।

अस्पताल के सभी 20 सफाई कर्मी अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। हड़ताल के चलते अस्पताल में कूड़े का ढेर लग गया है।

सिविल सर्जन कपिलदेव कश्यप ने कहा शासन की ओर से ये फैसला लिया गया है कि जो साफ सफाई होगी वो टेंडर प्रक्रिया के तहत होगी। कुछ लोग जो साफ सफाई से जो जुड़े हैं वो नाराज होकर हड़ताल पर चले गए हैं। अभी तक कुछ लिखित में नहीं दिया गया है। तहसीलदार ने आकर बात की है। तहसीलदार का कहना था कि हड़ताल अस्पताल के भीतर नहीं कर सकते हैं। अस्पताल के भीतर हड़ताल करने से मरीजों को दिक्कत होगी।

दंतेवाड़ा जिला अस्पताल सफाई कर्मी ने कहा अस्पताल के भीतर प्रदर्शन नहीं करने दिया गया है हमको। सिविल सर्जन के निर्देश पर हमको अस्पताल से बाहर भगा दिया गया है। सफाई कर्मी ने कहा हमलोग लंबे वक्त से यहां काम कर रहे हैं हमको ठेका पर काम नहीं करना है। हम लोगों के साथ अन्याय किया जा रहा है। हमको कहा जा रहा है कि काम करना है तो करो नहीं तो बाहर जाओ।

धरने पर बैठे सफाई कर्मियों की मांग है कि आउट सोर्सिंग के जरिए अस्पताल में सफाई का काम नहीं कराया जाए। उनको अस्पताल से अगर हटा दिया जाता है तो वो सड़क पर आ जाएंगे। सिविल सर्जन की दलील है कि प्रशासन ने ये फैसला किया है कि कर्मचारी ठेका पद्धित पर काम करें। लेकिन सफाई कर्मी ठेका मजदूर बनने के लिए किसी भी कीमत पर तैयार नहीं हैं।

मोटरसाइकिल में घूम-घूमकर करते थे सूने मकानों की रेकी, आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर पुलिस के द्वारा सूने मकानों को निशाना बनाते हुए हाथ साफ करने वाले गिरोह को पकड़ने में सफलता हासिल की है। इस गिरोह का मुख्य आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है, लेकिन पुलिस सरगर्मी से आरोपी की तलाश कर रही है।

मामले की जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग ने बताया कि बस्तर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में दिन दहाड़े सूने मकानो को निशाना बनाकर चोरी होने की घटना बढ़ रही थी, ज्यादातर करपावंड और परपा क्षेत्र के कई घरों में चोरों के द्वारा सुने मकान को दिन के समय निशाना बनाकर सोना-चांदी और नगदी रकम उड़ाने का एक ही तरीका अपनाया था, मामले की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक

शलभ कुमार सिन्हा के द्वारा टीम का गठन कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी करने की बात कही गई।

जिसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज से मिले विडियो एवं आसपडोस से पूछताछ से आरोपियों की जानकारी ली गई, पतासाजी के दौरान संदेही आरोपियों सोमराज सिग, जोबनप्रीत सिंग, शमशेर सिंग और इनके सरगना मंगल सिंग उर्फ मंगा का पता चलने पर इनके हाटकचोरा किराये के मकान में दबिश देकर पकड़ा गया, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि ये सभी लोग ड्रायवरी और हेल्परी का काम करते हैं, पंजाब से 6-7 साल पहले यहां आकर बसे हुए है, साथ ही किराये के मकान में रह रहे थे, पूछताछ में करपावंड क्षेत्र में सोमराज सिंग और मंगलसिंग ने सोना चांदी और नगदी रकम को चोरी करने व परपा क्षेत्र के गाँव करंजी में सोना चांदी और नगदी के अलावा बड़े पाराकोट में नगदी रकम चोरी करना स्वीकार किया।

सोमराज ने बताया दोनों बाईक में घुम-घुमकर सुने मकानों में ताला तोड़कर चोरी करते थे, मंगल सिंग ताला तोड़ने में माहिर होने के साथ ही घर के अन्दर घुस घटना को अंजाम देता था और सोमराज सिंग घर के बाहर रहकर रेकी करता था, इन्ही के रिश्तेदार चचेरे भाई जोबनप्रीत और शमशेर सिंग सेन्ट्रो कार से गाँव में घूम घुमकर सुने मकान को निशाना बनाते थे। पूछताछ में इनके द्वारा ग्राम तेलीमारेंगा में सोना-चांदी चोरी करना भी स्वीकार किया। गिरोह का सरगना मंगल सिंग उर्फ मंगा फरार है। जिसे जल्द पकड़ा जाएगा। गिरफ्तार आरोपीयों से तीन सोने का हार, दो सोने का चैन, लगभग 4 लाख 50 हजार रूपया और चांदी का पायजेप, कमर कर्धन, चांदी का अंगुठी 25 हजार रूपया, नगदी रकम 10 हजार, एक मोटर सायकल, 50 हजार, एक सेन्ट्रो कार 1 लाख 6 लाख 50 हजार रूपये जप्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ में ठग का बड़ा खेला, साधु के वेश में लाखों की ठगी

■ गड़ा धन निकालने का दिया झांसा थाने में शिकायत

बेमेतरा। नांदघाट थाना क्षेत्र के भोपसरा गांव में गड़ा हुआ धन निकालने के नाम पर 11 लाख 19 हजार 500 रुपए की ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी साधु की वेशभूषा में पीड़ित के घर पहुंचा था। मामले को लेकर पीड़ित गंगाराम साहू (52) ने शिकायत दर्ज कराई थी।

आरोपी का नाम विजय कुमार गिरी पिता बचछराज गिरी उम्र 32 निवासी चौगलिया बाजार, दुर्गा चौक (राघवपुरी) सीतापुर, जिला चित्रकूट (यूपी) है। आरोपी दिसंबर 2022 को पहली बार पीड़ित के गांव में साधु की वेशभूषा में आया था। घर में भोजन कर रात्रि विश्राम करने की बात कही। रात में आरोपी ने पीड़ित को उसके घर में गड़ा हुआ धन होने की बात कही। पूजा पाठ कराने के नाम पर 80 हजार रुपये लेकर चला गया। ठीक एक माह बाद आरोपी वापस आया व घर में पूजा शुरू कर दी। इसके बाद एक कमरे में 3-4 फीट खुदाई कर पीतल के गुंडी में सोने जैसे बिस्किट व सिक्के निकालकर दिया। इससे एक बड़ा और हंडा होने की बात कहकर सभी सामान को उसी गड्ढे में बांधकर दबा दिया।

इसके बाद से आरोपी ने पीड़ित को ठगना शुरू दिया। बीते एक साल से अलग-अलग किश्त में रुपये लेते जा रहा था। एक बार तो पीड़ित ने मध्य प्रदेश के अमरकंटक में आरोपी को 3.50 लाख रुपये दिए थे। आगे की पूजा कार्यक्रम कराने का धोखा दे रहा था। इसी बीच पीड़ित ने पहले से दबे गड़े धन को निकाला तो पता चला कि सभी आभूषण नकली हैं। ठगी की शिकार होने के बाद पीड़ित ने छह जून 2024 को नांदघाट थाना में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत बाद पुलिस ने 420 के तहत एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

वीडियो में दिखा रिश्वतखोर पटवारी, विभाग ने की कार्रवाई

कबीरधाम। पूरे प्रदेश में इन दिनों छह जुलाई से 20 जुलाई तक विशेष राजस्व शिविर का आयोजन किया जा रहा है। ताकि लोगों के राजस्व संबंधित समस्या का समाधान किया जा सके। लोगों को तहसील कार्यालय का चक्कर न काटना पड़े। कबीरधाम जिले के 90 ग्राम पंचायत में भी यह आयोजन हो रहा है। इसी बीच राजस्व विभाग के एक पटवारी का रिश्वत लेते वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो वायरल होने के बाद पटवारी घनश्याम मेरावी को सस्पेंड कर दिया गया है। मामला पंडरिया ब्लॉक के हल्का नम्बर-15 ग्राम चतरी का है। पंडरिया एसडीएम संदीप ठाकुर द्वारा जांच की गई व पीड़ित किसान का बयान लिया गया। पंडरिया एसडीएम संदीप ठाकुर ने बताया कि प्राप्त वीडियो और पीड़ित किसान का बयान लिया गया। बयान एवं प्रारम्भिक जांच के आधार पर हल्का पटवारी क्रमांक 15 के घनश्याम मेरावी को सस्पेंड कर दिया गया है। उनके जगह का प्रभार हल्का पटवारी क्रमांक 18 ग्राम अमरपुर भागवत राज को सौंपा गया है।

बाइक चोरों को पकड़ने के लिए पुलिस का विशेष अभियान

कोरबा। कोरबा में मानिकपुर सीएसईबी बालको और दीपिका पुलिस ने चोर गिरोह के चार अपचारी बालक सहित 22 आरोपियों को पकड़ने में सफलता पाई है। पुलिस ने आरोपियों के निशानदेही पर 21 दोपहिया वाहन के अलावा भारी मात्रा में चोरी के घरेलू सामान जब्त किए हैं। पुलिस कप्तान सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर लगातार हो रही चोरियों पर अंकुश लगाने जिले के थाना चौकिया को निर्देशित किया गया था जहां एक अभियान चला गया इसी के तहत पुलिस ने 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया है वहीं भारी मात्रा में दोपहिया वाहन भी जब्त किए गए हैं। मानिकपुर चौकी पुलिस ने विशेष अभियान के तहत अंतर राज्य गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया उनके कब्जे से चार मोटरसाइकिल बरामद किया गया जो चोरी कर उड़ीसा जिले में नंबर प्लेट बदलकर बेच देते थे कोरबा में कई जगहों पर आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया था। वहीं दीपिका थाना प्रभारी युवराज तिवारी ने अपने टीम के साथ चार आरोपियों को दबोच दिया है उनके निशान देही पर आठ बाइक बरामद किया गया है।

रतनपुर में डायरिया का कहर कई लोग अस्पताल में भर्ती

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सकरी के बाद रतनपुर में डायरिया ने पैस पसारे हैं। डायरिया की चपेट में आने से यहां 50 से ज्यादा लोग बीमार हो गए हैं। 17 मरीजों को रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जबकि तीन गंभीर मरीजों का सिम्स में इलाज चल रहा है। मानसून में दूषित पानी की वजह से क्षेत्र में डायरिया फैलने लगा है। इतनी बड़ी संख्या में डायरिया के मरीजों की सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया। सीएमएचओ प्रभात श्रीवास्तव और डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर रतनपुर के डायरिया प्रभावित इलाके के दौरे पर पहुंचे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घर घर जाकर क्लोरीन की दवा, ओआरएस के पैकेट बांटे। मेडिकल डिपार्टमेंट के अधिकारी और कर्मचारी लोगों को दूषित जल से बचाव, पानी उबालकर पीने की सलाह के साथ साफ सफाई का खास ध्यान देने की समझाइश दे रहे हैं। हफ्तेभर पहले सकरी में डायरिया से 40 लोग बीमार हो गए थे। स्वास्थ्य विभाग की टीम तुरंत सकरी पहुंची। घर घर दवाई बांटी गई।

निर्माणाधीन केनाल की दीवार में दबने से 2 मजदूर की मौत

कोंडागांव। जिले के केशकाल थाना क्षेत्र के अंर्तगत खालेमुरवेंड में झारखंड के 2 मजदूरों की निर्माणाधीन केनाल की दीवार में दबने से दर्दनाक मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार बारिश से बचने के लिए मजदूर निर्माणाधीन केनाल की दीवार की आड़ लेकर बैठे हुए थे। इसी दौरान दीवार ढहने से मजदूर राजेश इक्का और सोनू कोयारी की मौके पर ही मौत हे गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवा कर मामले को जांच में लिया। केशकाल थाना प्रभारी विकास बघेल ने कहा कि मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रहे हैं। पोस्टमॉर्टम के बाद एफआईआर दर्ज की जाएगी। उन्होंने कहा कि मजदूरों के परिजनों को घटना की सूचन दे दी गई है। विदित हो कि कोंडागांव जल संसाधन विभाग निर्माण कार्य करा रहा था, जिसका ठेका अंबिकापुर के पंकज नाम के व्यक्ति को मिला है। ठेकेदार ने झारखंड के मजदूरों को काम में रखा था। मजदूरों को झारखंड के गुमला से लाया था, जो पिछले कई दिनों से मजदूरी कर रहे थे।

राज्य का पहला कैंसर संस्थान तेजी से ले रहा आकार

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण ने कोनी में सिम्स के विस्तारित यूनिट के रूप में 115 करोड़ की लागत से बन रहे राज्य कैंसर संस्थान का निरीक्षण किया। छत्तीसगढ़ का यह पहला सरकारी स्तर का राज्य कैंसर संस्थान होगा। कलेक्टर ने अस्पताल की विभिन्न कक्षों का अवलोकन किया। लगभग 65 प्रतिशत भवन निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने जनवरी 2025 तक निर्माण कार्य पूर्ण कर सौंपने के निर्देश दिए। सीजीएमएससी निर्माण एजेन्सी इसका निर्माण कर रही है। उन्होंने निर्माण कार्य के साथ मेडिकल उपकरणों और स्टॉफ भर्ती की कार्रवाई भी साथ-साथ करने को कहा है ताकि अस्पताल जल्द शुरू किया जा सके। सिम्स के कैंसर विभाग के एचओडी एवं संस्थान के नोडल अधिकारी डॉ. चंद्रहास ध्रुव ने बताया कि मल्टी स्पेशियालिटी हास्पिटल के नजदीक करीब 115 करोड़ रूपये की लागत से इसका निर्माण किया जा रहा है। इसमें 60 प्रतिशत अंशदान भारत सरकार का एवं 40 प्रतिशत हिस्सेदारी राज्य सरकार का है।

शराबियों को स्टंटबाजी पड़ी भारी, विंडो से सिर बाहर निकालकर दौड़ा रहे थे कार

भिलाई। स्टील सिटी भिलाई में इन दिनों शराबखोरी करके सड़क पर स्टंटबाजी करने वालों की बाढ़ सी आ गई है। ऐसा ही एक मामला सेंट्रल एवन्यू में दिखाई दिया।भिलाई नगर थाना क्षेत्र के सीसी में दो युवक शराब के नशे में धुत होकर कार से स्टंटबाजी कर रहे थे।इसकी सूचना पुलिस तक पहुंचाई गई।जिसके बाद पुलिस ने एक्शन लेते हुए तुरंत ही शराबखोरों को धर दबोचा।

दोनों आरोपी चलती कार के विंडो से सिर बाहर निकालकर स्टंटबाजी कर रहे थे।पुलिस के हत्थे चढ़ने के बाद दोनों ने कान पकड़कर माफी मांगी। भिलाई नगर थाना पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी कर उनके वाहन को जब्त किया है।

भिलाई नगर टीआई राजकुमार लहरे ने के मुताबित रात करीब 12:30 बजे एक कार देर सीजी-10 एफए 4205 सेंट्रल एवेन्यू से गुजर रही थी। इसके दोनों विंडो खुले हुए थे। उनमें सवार दो युवक विंडो से बाहर सिर निकालकर स्टंटबाजी कर रहे थे।

टीआई राजकुमार लहरे ने कहा ग्लोब चौक के पास तैनात भिलाई नगर पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी ने उन्हें देखा तो दौड़ाकर कार का पीछा किया।इसके बाद कार को रुकवाया गया। दोनों कार सवार युवक शराब के नशे में थे। रामनगर मुक्तिधाम के पास रहने वाला आरोपित राकेश कुमार साहू कार चला रहा था। गुरुनानक नगर शारदा विद्यालय के पास वैशाली नगर निवासी दिलीप भोगाड़े बाजू में बैठा था।

पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इसके बाद उनके वाहन को जब्त किया है। पुलिस वाहन का प्रकरण तैयार कर कोर्ट में जल्द ही पेश करेगी।

टूटे मोबाइल से साक्ष्य जुटाएगी एनआईए

साधराम हत्याकांड में आरोपियों के आतंकियों से संबंध की जानकारी आई सामने

कवर्धा। बहुचर्चित साधराम हत्याकांड में पुलिस को आरोपियों के पास से मिले 5 मोबाइल में से एक के टूटे मोबाइल से नए साक्ष्य मिले हैं और आरोपियों के आतंकियों से संबंध होने की जानकारी सामने आई है। इन नए तथ्यों के आधार पर अब एनआईए प्रकरण की जांच में जुट गई है। उल्लेखनीय है कि चरवाहा साधराम यादव की गत 21 जनवरी को गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। आरोपियों को 24 घंटे के भीतर हिरासत में ले लिया गया था।

कवर्धा पुलिस ने साधराम यादव हत्याकांड मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था, इनमें से एक नाबालिग है जिसे बाल सुधारगृह में भेजा गया है। बाकियों से पूछताछ के बाद कुछ नए खुलासे हुए थे और पुलिस ने

आरोपियों के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता की धारा 16 यूएपीए लगाई थी। प्रकरण एनआईए को दिया गया था लेकिन कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिल पाने के कारण आगे की जांच ठंडे बस्ते में चली गई थी। सूत्रों के मुताबिक आरोपियों के पास से 5 मोबाइल मिले थे जिनमें से एक मोबाइल टूटा-फूटा था। कवर्धा पुलिस ने दो-तीन मोबाइल की जांच कराई थी लेकिन कोई और बात सामने नहीं आई। इसी बीच चुनाव के चलते जांच प्रक्रिया रूक गई थी और फिर आरोपियों के खिलाफ भी चालान पेश होना था। जिन आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी उनमें अयाज, इदरीश, सुफियान, शेख रफीक है। ये सभी कवर्धा के रहने वाले हैं। टूटे हुए मोबाइल को बनाने के बाद उससे कुछ आतंकियों की तस्वीर मिली है। यह बात भी सामने आई है कि आरोपियों के आतंकियों से संबंध रहे हैं। नए तथ्य को एनआईए को दिया जाएगा ताकि जांच आगे तेजी से हो सके।

नायब तहसीलदार के साथ मारपीट

महासमुंद। नायब तहसीलदार के साथ एक व्यक्ति ने तहसील ऑफिस में घुसकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया। आरोपी व्यक्ति ने नायब तहसीलदार पर 420 कहने का आरोप लगाते हुए उसके साथ मारपीट किया।

नायब तहसीलदार का नाम युवराज साहू है। घटना सोमवार की है। नायब तहसीलदार के मुताबिक वह अपने चेंबर में बैठकर अपना काम कर रहा था। तभी झलप का रहने वाला कुलप्रीत सिंह उनके चेंबर में घुसा और उनसे विवाद करने लगा। विवाद इतना बढ़ गया कि कुलप्रीत सिंह और नायब तहसीलदार के बीच हाथापाई की नौबत आ गई।

संक्षिप्त समाचार

सीएम के निर्देश पर स्कूल जतन योजना की जांच शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर स्कूल जतन योजना की जांच शुरू हो गई है। सभी कलेक्टर स्कूल जतन योजना अंतर्गत स्वीकृत एवं निर्माणाधीन कार्यों की जांच कर 15 दिनों के भीतर लोक शिक्षण संचालनालय को रिपोर्ट सौंपेंगे। इसका आदेश स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने जारी किया है। आदेश में कलेक्टरों को निर्धारित प्रारूप में शाला का नाम, स्वीकृत कार्य, स्वीकृत राशि, कार्य की भौतिक स्थिति, लागत, औचित्य एवं आवश्यकता, गुणवत्ता के संबंध में रिपोर्ट देने को कहा गया है। सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने कलेक्टरों को प्रेषित पत्र में इस बात का उल्लेख किया है कि योजना के तहत स्वीकृत कार्यों के लिए विभाग द्वारा पूर्व में राशि जारी की गई थी। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर शासन को शिकायतें मिली है। उन्होंने सभी कार्यों की अद्यतन स्थिति की जांच कराने के निर्देश और गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधितों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

उप मुख्यमंत्री साव नई दिल्ली में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में हुए शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव आज नई दिल्ली में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में शामिल हुए। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल की अध्यक्षता में नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित अंत्योदय भवन में आयोजित बैठक में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना, सचिव सुश्री विनी महाजन, छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव श्री मोहम्मद कैसर अब्दुलहक और प्रमुख अभियंता डॉ. एम.एल. अग्रवाल भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

न्यायमूर्ति चौरड़िया उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग का करेंगे शुभारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री गौतम चौरडिया जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के कार्यालय का विधिवत शुभारंभ 10 जुलाई 2024 शाम 5 बजे करेंगे एवं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राकेश बिहारी घोरे एवं कलेक्टर श्री दीपक सोनी के कुशल नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की रजिस्ट्रार श्रीमती हिमांशु जैन भी उपस्थित रहेंगी।

किसानों को 8.62 लाख मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक वितरित

रायपुर। खरीफ सीजन के लिए किसानों को विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों का वितरण जारी है। 8 जुलाई 2024 की स्थिति में किसानों को 8 लाख 61 हजार 606 मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण किया जा चुका हैं, जिसमें 4 लाख 10 हजार 199 मीट्रिक टन यूरिया, 2 लाख 5 हजार 397 मीट्रिक टन डीएपी, 98 हजार 329 मीट्रिक टन एनपीके, 39 हजार 40 मीट्रिक टन पोटाश तथा एक लाख 8 हजार 662 मीट्रिक टन सुपर फास्फेट शामिल है। किसानों को लक्ष्य के विरूद्ध अब तक कुल 63 फीसदी उर्वरकों का वितरण हो चुका है। चालू खरीफ सीजन के लिए राज्य में सहकारिता एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से किसानों को 13 लाख 68 हजार मीट्रिक टन खाद वितरण का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके विरूद्ध अब तक 12 लाख 79 हजार 915 मीट्रिक टन का भण्डारण करा लिया गया है। सहकारिता एवं निजी क्षेत्र में अभी भी 4 लाख 18 हजार 308 मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक किसानों के लिए उपलब्ध है।

कलेक्टर ने बिजली विभाग के योजनाओं की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

रायपुर। जिले में बिजली विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति धीमी होने पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने नाराजगी जताई है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में विद्युत वितरण कंपनी के कार्यों की समीक्षा के दौरान प्रोजेक्ट डिवीजन व सिटी कंस्ट्रक्शन डिविजन के विभिन्न योजनाओं जानकारी ली। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कम प्रगति वाले कार्यों पर नाराजगी जाहिर की और बाकी के कामों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जिले में पंप कार्यों के विस्तर की प्रगति की जानकारी ली। समीक्षा में अधिकारियों ने बताया कि 1241 नग पंप में 1029 पंप के कार्य पूर्ण किए गए है। बाकी अपूर्ण होने की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को जल्द से जल्द कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के बिजली ट्रांसफार्मरों को बदलने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए। इससे बिजली भी बाधित न हो।

छत्तीसगढ़ स्काउट गाइड फैलोशिप की नई कार्यकारणी गठित, सुरेश होंगे अध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्काउट गाइड फैलोशिप की जनरल असेंबली की बैठक का आयोजन बाल आश्रम डागा कॉलेज में रखी गई। इस बैठक में पूर्व कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। गत वर्षो की जानकारी अध्यक्ष द्वारा दी गई। कार्यक्रम में स्काउट गाइड फेलोशिप के संरक्षक सत्यनारायण शर्मा, मैक मैकी राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राष्ट्रीय मुख्यालय से विशेष रूप से उपस्थित थे। इस दौरान नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसके अध्यक्ष डॉ सुरेश शुक्ला प्रिंसिपल एडवाइजर, डॉक्टर सोमनाथ यादव कार्यकारी अध्यक्ष, प्रेम प्रकाश शर्मा उपाध्यक्ष (कोऑर्डिनेशन) मनोनीत किया गया।

बच्चों में शिक्षा ग्रहण करने की अपार शक्ति : केदार कश्यप

लगन और ईमानदारी से करें मां-बाप के सपनों को साकार, वन मंत्री जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप आज रायपुरा स्थित पंडित गिरिजा शंकर मिश्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने नौनिहालों को तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर शाला प्रवेश कराया। उन्होंने इस मौके पर बच्चों को शाला गणवेश तथा पाठ्यसामग्री वितरण भी किया। उन्होंने छात्राओं को सरस्वती सायकल योजना के तहत सायकल प्रदान किया। मंत्री श्री कश्यप ने इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए नवाचार मॉडल प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

मंत्री श्री कश्यप ने शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों में अपार क्षमता है। शासकीय स्कूल के बच्चे कठिन पस्थितियों के बाद भी बेहतर परिणाम ला रहे हैं। यह हम सबके लिए यह खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि बच्चे लगन और ईमानदारी से शिक्षकों के आदर्श में चलकर शिक्षा ग्रहण कर अपने मां-बाप के सपनों को साकार करें, बच्चों को हताश-निराश होने की जरूरत नहीं है। समय को ध्यान रखते हुए खेलने के समय खेले-कुदे और पढ़ाई के समय पढ़ाई करें। गरीब, किसानों के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा हमारी सरकार की प्राथमिकता में है। भविष्य निर्माता आज के नौनिहालों की शिक्षा-दिक्षा में किसी भी

प्रकार की परेशानी नहीं होगी। बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए सरकार तत्पर है। हमारी सरकार ने प्रदेश में आईआईटी, आईआईएम जैसी बड़ी-बड़ी संस्थानें स्थापित की है। उच्च शिक्षा के लिए भी बाहर जाने की जरूरत नहीं है। अतिथियों ने इस मौके पर मां के नाम एक पेड़ अभियान के तहत स्कूल परिसर में पौधा रोपण किया।

विधायक श्री मोती लाल साहू ने कहा कि सरकारी स्कूल के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आज प्राईवेट स्कूल से बेहतर परीक्षा परिणाम शासकीय स्कूलों में आ रहा है। शासकीय स्कूलों में प्रवेश के लिए काफी भीड़ लगी है, इससे शासकीय स्कूलों का महत्व और गुणवत्ता अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कम सुविधाओं और चुनौती पूर्ण परिस्थितियों में भी बेहतर परिणाम सराहनीय है। बच्चों को भी लगन और ईमानदारी से शिक्षा ग्रहण करना चाहिए।

विधायक श्री अनुज शर्मा ने कहा कि नन्हें-नन्हें बच्चों को जीवन के नए पड़ाव में प्रवेश कराने आए हैं। उनका हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत है। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थान में पढ़े-लिखे ज्यादा संस्कारी होते हैं। आज के मंच में मंत्री, विधायक, कलेक्टर सहित जितने भी लोग है सभी सरकारी स्कूलों में पढ़कर आप लोगों के बीच उपस्थित हैं। आप लोगों को भी किसी प्राईवेट स्कूल के विद्यार्थियों को देखकर अपने आप को कमजोर आंकने की जरूरत नहीं है। आप लोगों में अपार शक्ति और जोश है, अपनी कड़ी मेहनत और लगन से इच्छानुसार परिणाम हासिल कर सकते हैं।

विधायक गुरू खुशवंत साहेब ने जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अक्सर दूसरों के सुख सुविधओं और रहन-सहन को देखकर मन में उनकी तरह बनने की लालसा होती है। शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिससे हर सुख सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम शाला में अनुशासन का पालन करते हैं। जीवन में भी अनुशासन से आगे बढ़ सकते हैं और अपनी मंजिल को प्राप्त कर सकते है। उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य निर्माण में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान है। शिक्षकों को स्कूल के बच्चों को भी अपने बच्चों की तरह जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ाना चाहिए।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री गौरव कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप सिंह, नगर निगम के कमिश्नर श्री अविनाश मिश्रा, जिला शिक्षाधिकारी श्री खण्डेलवाल, वार्ड के पार्षद श्री वीरेन्द्र देवांगन सहित शिक्षक-शिक्षिकांए तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

कांग्रेस की बैठक पर मंत्री कश्यप बोले-

हार का ठीकरा फोड़ने व्यक्ति खोज रही कांग्रेस

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 22 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है। मानसून सत्र को लेकर कैंबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने विपक्ष पर तंज कसा है। उन्होंने कहा, विपक्ष की विधानसभा और लोकसभा में करारी हार हुई है। जनता ने उनका मुख बंद करा दिया है। उनका बड़बोलापन खत्म हो गया है। भगवान उनको सहन शक्ति दे। विभिन्न विषय पर चिंतन करने का अवसर प्रदान करें।

कांग्रेस की बैठक को लेकर कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा, संगठन को कितना मजबूत करेंगे वह तो वही जानेंगे। हार का ठीकरा किसके ऊपर फोड़ा जाए उसके लिए व्यक्ति खोज रहे हैं। स्कूलों की जर्जर स्थिति को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने कहा, पिछले 5 सालों में स्कूलों की स्थिति मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के चलते खराब हुई है। शिक्षा मंत्री प्रेम साय टेकाम बाबा गुट के थे। इसके चलते स्कूल शिक्षा विभाग को अनदेखी किया गया। विष्णु देव की सरकार शिक्षा विभाग को प्रथम श्रेणी में रखती है। उसकी चिंता करती है। शिक्षा व्यवस्था अच्छा होगा। केंद्रीय वित्त आयोग की टीम के छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर मंत्री कश्यप ने कहा, 11 तारीख को मंत्रालय में बैठक होगी, जिसमें छत्तीसगढ़ के वित्तीय विषय को लेकर चर्चा होगी। भाजपा कार्य समिति की बैठक को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने कहा, कल हमारे केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर आएंगे। मंत्री बनने के बाद पहली बार छत्तीसगढ़ प्रवास पर आ रहे हैं। प्रदेश के पदाधिकारी सहित हमारे मंडल के कार्यकर्ताओं को सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम में सभी कार्यकर्ता सम्मिलित होंगे।

महंगाई, बढ़ती बिजली दर, फर्जी नक्सल घटनाओं को आक्रामक रूप से विधानसभा में उठाएंगे: बैज

रायपुर। स्कूल की जर्जर स्थिति पर केदार कश्यप के बयान पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, केदार कश्यप गलतफहमी में है। मानसून सत्र ऐसा ना हो कि मंत्रियों को सदन से भागना पड़े। कांग्रेस के विधायक, लीडर ऑफ अपोजिशन महंत के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी सदन के अंदर लड़ेगी और कांग्रेस पार्टी सदन के बाहर भी लड़ेगी। इस मानसून सत्र में कांग्रेस का जबरदस्त प्रदर्शन रहेगा। सरकार के पास जनहित मुद्दों को लेकर हम जाएंगे।

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, बढ़ी हुई बिजली की दर, कानून व्यवस्था, फर्जी नक्सली घटनाएं, किसानों की आत्महत्या, खाद बीज पर महंगाई, ऐसे बहुत से मुद्दे हैं, जिसे कांग्रेस आक्रामक रूप से विधानसभा में उठाएगी। बीजेपी प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को लेकर दीपक बैज ने कहा, कार्यकर्ताओं में सरकार के कामों को लेकर नाराजगी है। उनकी नाराजगी को दूर करने विस्तारित बैठक बुला रहे हैं। सरकार के खिलाफ एंटी इंकबैंसी को खत्म करना चाहते हैं। बीजेपी कितनी भी बैठकें कर ले, कोई लाभ नहीं होने वाला है।

आज सीएम साय की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक होगी। इस पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने तंज कसते हुए कहा, कैबिनेट की बैठक में कोई निर्णय नहीं होने वाला है। दो मंत्रियों के पद खाली है, जिसे भर नहीं पाए हैं। शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है। भगवान भरोसे चल रही है। बीजेपी में अंदरखाने में टिकटोक नहीं चल पा रहे हैं। इतने महीनो से नाम तय नहीं कर पाना इस बात को बताता है कि बीजेपी में सब कुछ अच्छा नहीं है।

कांग्रेस में आज और कल बैठक चलेगी। इस पर बैज ने कहा, आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी में दो बड़ी बैठक होने जा रही है। पहले जिला अध्यक्षों के साथ बैठक है। दूसरी बैठक प्रदेश कार्यकारिणी की होगी, जिस पर आगामी कार्ययोजना और संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा करेंगे। नगरीय निकाय चुनाव पर भी चर्चा होगी। आज सभी जिला अध्यक्षों से वन टू वन चर्चा की जाएगी। सीनियर नेता उन्हें मार्गदर्शन देंगे।

गुजरात की फेलियर मॉडल को लागू करना चाहती है सरकार

गुजरात मॉडल छग में भी अपनाने की तैयारी है। इसके लिए डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने दौरा किया है। इस मामले में पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, गुजरात मॉडल देश में फेल हो चुका है। इस फेलियर मॉडल को यहां लागू करना चाह रहे और डिप्टी सीएम उसे देखने जा रहे तो मैं मानता हूं कि डिप्टी सीएम विजय शर्मा पिकनिक मनाने गए हैं।

जैव विविधता पार्क अटल नगर में 11 जुलाई को एक पेड़ मां के नाम अभियान

■ मुख्यमंत्री साय होंगे मुख्य अतिथि

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में 11 जुलाई को अटल नगर नवा रायपुर स्थित जैव विविधता पार्क में एक पेड़ मां के नाम अभियान का आयोजन संध्या 4 बजे से होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सहित समस्त अतिथिगणों द्वारा पौधों का रोपण किया जाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप करेंगे। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री द्वय अरूण साव एवं विजय शर्मा एवं मंत्रिमंडल के सदस्य गण, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक अभनपुर इंद्र कुमार साहू, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य वन सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव एवं अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारियों, वनप्रबंधन समिति के सदस्यों, छात्रों एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा भी अपनी मां के

नाम वृक्षारोपण किया जाएगा।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ प्रारंभ किया गया था। इस अभियान के अंतर्गत देश में सितम्बर 2024 तक 80 करोड़ एवं मार्च 2025 तक 140 करोड़ वृक्षों का रोपण किए जाने का लक्ष्य है।

एक पेड़ मां के नाम महावृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में वन विभाग द्वारा वन एवं वनेत्तर क्षेत्रों में 03 करोड़ 85 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अभियान के तहत वृक्षारोपण स्थलों का नामकरण स्थानीय देवी-देवताओं के नाम से करने का आह्वान किया है। सभी जिलों में ग्राम एवं पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अभियान के तहत आम, जामुन, बेल, कटहल, सीताफल, अनार, शहतूत, बेर, तेन्दू, गंगाईमली जैसे फलदार पौधे तथा लघु वनोपज एवं औषधीय प्रजाति के पौधों जैसे- हर्रा, बहेड़ा, आंवला, नीम, पुत्रन्जीवा, काला सिरस, रीठा, चित्रक आदि प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में छायादार प्रजातियां बरगद, पीपल, मौलश्री, कदम, पेल्ट्राफार्म, गुलमोहर, करंज, अशोक, अर्जुन के साथ अन्य प्रजातियों का रोपण किया जा रहा है। अभियान अंतर्गत सभी स्कूलों, छात्रावासों, आंगनवाड़ी केन्द्र, पुलिस चौकी, अस्पताल, शासकीय परिसर, शासकीय एवं अशासकीय भूमि, विभिन्न औद्योगिक संस्थानों की रिक्त भूमि पर इस महावृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है।

केन्द्रीय वित्त आयोग आज से छत्तीसगढ़ दौरे पर

वित्तीय आवश्यकताओं और आर्थिक प्रगति मुद्दों पर होगा विचार-विमर्श

रायपुर। केन्द्रीय वित्त आयोग 10 जिले से छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे। इसमें 12 सदस्यीय की दल होगी। दौरे के दौरान राज्य की वित्तीय आवश्यकताओं और आर्थिक प्रगति सहित अनेक मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा। केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया के नेतृत्व में 12 सदस्यीय दल राजधानी रायपुर पहुंच रहा है। यह दल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मंत्रीमण्डल के सदस्यों और अधिकारियों के साथ, राज्य की वित्तीय आवश्यकताओं, अधोसंरचना विकास और आर्थिक प्रगति सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करेगा। वित्त आयोग 12 और 13 जुलाई को जगदलपुर भ्रमण पर भी रहेगा।

केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष पनगढ़िया के साथ आयोग के सदस्य अजय नारायण झा, एनी जॉर्ज मैथ्यू, मनोज कुमार पाण्डा, डॉ. सौम्य कांति घोष और आयोग के सचिव ऋत्विक रंजनम पाण्डेय, संयुक्त सचिव कमल कुमार मिश्रा, संयुक्त संचालक राघवेन्द्र सिंह और अन्य अधिकारीगण भी रायपुर पहुंचेंगे।

केन्द्रीय वित्त आयोग के छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर वित्त सचिव मुकेश बंसल ने होटल मेफेयर में तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में संचालक कोष लेखा एवं पेंशन एवं नोडल अधिकारी 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग महादेव कावरे, एनआरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौरभ कुमार, रायपुर कलेक्टर गौरव कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह, रायपुर नगर निगम के आयुक्त अविनाश मिश्रा, संचालक जनसम्पर्क अजय अग्रवाल सहित नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा सीएसआईडीसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेशभर के तहसीलदार और नायब तहसीलदार करेंगे हड़ताल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पटवारियों के बाद अब तहसीलदार और नायब तहसीलदार हड़ताल पर जा रहे हैं। इस संबंध में आज राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। बता दें कि झलप में नायब तहसीलदार से मारपीट के बाद तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों में आक्रोश है। घटना के विरोध में 10 से 12 जुलाई तक हड़ताल का एलान किया है। उन्होंने कनिष्क प्रशासनिक संघ के बैनर तले मंत्री को ज्ञापन सौंपकर कार्यालय में सुरक्षा देने समेत 7 सूत्री मांगें रखी है। मांग पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है। तहसीलदारों का कहना है कि पूर्व में ही तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों ने न्यायालय में सुरक्षा संबंधी मांग सरकार से की थी एवं पूर्व सरकार ने न्यायालय में सुरक्षा के लिए सभी कलेक्टरों को पत्र भी जारी किए थे, परंतु आज तक फील्ड में उसका कोई असर नहीं दिखा है। इसके कारण आज भी न्यायालय में बैठे तहसीलदार नायब तहसीलदारों पर असामाजिक तत्वों द्वारा हमले, मारपीट, गाली गलौज आदि की खबरें लगातार आती रही है। ऐसी स्थिति में नायब तहसीलदार तहसीलदारों का न्यायालय में बैठकर काम करना मुश्किल हो गया है। पिछली सरकार में मुख्यमंत्री ने नायब तहसीलदारों को राजपत्रित घोषित किया था परंतु आज तक इस संबंध में कोई भी पत्र सर्कुलर जारी नहीं किया गया है। ज्ञापन में बताया गया है कि तहसीलदार से डिप्टी कलेक्टर प्रमोशन में 50-50 का अनुपात लागू करने की घोषणा की गई थी वह भी अभी तक अमल में नहीं लाया गया है। एएसएलआर एसएलआर को पर्याप्त संख्या में नायब तहसीलदार तहसीलदार होने के बावजूद तहसीलदार का प्रभार दिया जाता है, जिसके लिए भी संघ ने विरोध जाहिर किया था और बाकायदा सभी कलेक्टरों को मंत्रालय से पत्र भी निकल गया। एसएलआर को नायब तहसीलदार तहसीलदार ना बनाने के संबंध में निर्देश जारी किए गए थे, परंतु आज तक किसी भी मांग को पूरा नहीं किया गया है। ना ही घोषित एवं निर्देशित मांगों को अमल में लाया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने ली स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक

मौसमी बीमारियों की रोकथाम और उचित इलाज हेतु दिए निर्देश

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंत्रालय महानदी भवन में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली । इस दौरान स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई एवं विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राज्य में मौसमी बीमारियों की रोकथाम और उचित इलाज के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत और प्रभावी कार्रवाई की जा सके। श्री जायसवाल ने सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष निर्देश दिए हैं। जायसवाल ने आपात स्थितियों में बेहतर और त्वरित उपचार प्रदान करने के लिए अस्पतालों में सभी आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं साथ ही कहा है कि मरीजों को किसी भी प्रकार की तकलीफ न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। श्री जायसवाल ने सभी अस्पतालों

में साफ-सफाई और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं ताकि संक्रमण फैलने की संभावना को कम किया जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने सभी संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे इन निर्देशों का कड़ाई से पालन करें और राज्य के नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए विशेष जोर दिया और अधिकारियों को नियमित निरीक्षण एवं त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति, चिकित्सकीय सेवाओं की उपलब्धता, दवाओं की आपूर्ति एवं अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की।

बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए विभिन्न उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई एवं अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अधिकारियों को नियमित रूप से समीक्षा बैठकें आयोजित करने एवं समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ, विशेष सचिव श्री चंदन कुमार, मिशन संचालक श्री जगदीश सोनकर, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि श्री कुलदीप शर्मा, संचालक आयुष सुश्री इफ्फत आरा, प्रबंध संचालक सीजीएमसीसी श्रीमती पद्मिनी भोई सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

शिखर बैठक को लेकर भारत-रूस उत्साहित

राजेश बादल

इस बार भारत और रूस के बीच 22वीं सालाना शिखर बैठक कुछ-कुछ असाधारण है। इसे लेकर दोनों राष्ट्र खासे उत्साहित हैं। एशिया की इन दो बड़ी ताकतों के लिए पश्चिम और यूरोप का रवैया अब पहेली नहीं रहा। हालांकि रूस का करीब 40 लाख वर्ग किमी क्षेत्रफल यूरोप का हिस्सा है और यूरोप की कुल आबादी का 15 प्रतिशत रूस में रहता है। मगर चरित्र और स्वाभाविक मेलजोल रूस को एशिया के निकट रखते हैं। भारत और चीन के साथ उसकी सहजता का यह भी एक कारण है। पर यूरोपियन देशों को शायद रूस का यह चरित्र नहीं भाता। यूरोपीय मुल्कों के साथ मतभेद उभरने की यह भी वजह रही है। यूक्रेन के साथ जंग का घोषित कारण तो यही है कि रूस नाटो सेनाओं को अपनी सीमा पर आकर मोर्चा संभालने की इजाजत क्यों दे? यूक्रेन कुछ वर्षों से यूरोपीय और पश्चिमी देशों का खिलौना बन गया है। ढाई साल से जारी जंग इसका प्रमाण है। यूक्रेन यह सिद्धांत समझने के लिए तैयार नहीं है कि पड़ोसी से कितने ही शत्रुतापूर्ण संबंध हो, लेकिन जब घर में आग लगती है तो बचाता भी पड़ोसी ही है। इसके पीछे मंशा यह है कि पड़ोसी अपना घर भी तो बचाना चाहता है। लेकिन हास्य अभिनेता रहे राष्ट्रपति जेलेंस्की हकीकत को नजरअंदाज कर रहे हैं। वे नहीं समझ रहे कि यूक्रेन अमेरिका और नाटो देशों की कठपुतली बन चुका है। यूरोप के देश यूक्रेन को हथियार तो दे रहे हैं लेकिन न नाटो में शामिल कर रहे हैं और न सैनिक भेज रहे हैं। आम तौर पर नाटो में शामिल होने की प्रक्रिया एक बरस है। पर यूक्रेन युद्ध ढाई साल से जारी है और यूक्रेन नाटो सदस्य नहीं बना है। नाटो ने अगर यूक्रेन को सदस्य बना दिया तो नाटो सेनाओं को यूक्रेन के लिए लड़ना पड़ेगा, जो यूरोप के देश नहीं चाहते। जेलेंस्की इतनी सी बात नहीं समझ रहे हैं। यूरोप के देश हथियार दे रहे हैं। इसकी पाई-पाई वे बाद में वसूल करेंगे। जाहिर है कि यूक्रेन बलि का बकरा बन रहा है। क्या जेलेंस्की नहीं जानते कि इसी साल स्वीडन को नाटो की सदस्यता दी गई है जबकि उनका आवेदन 2007 से लंबित है? लौटते हैं हिंदुस्तान और रूस के सालाना शिखर सम्मेलन पर। वैसे तो यह 24वां शिखर सम्मेलन होना चाहिए। लेकिन कोविड और यूक्रेन युद्ध के चलते दो वार्षिक बैठकें नहीं हो सकीं। अन्यथा हर बार इन बैठकों के सार्थक परिणाम मिलते रहे हैं। यूक्रेन से युद्ध ने अगर अमेरिका और उसके दोस्तों की आर्थिक बंदिशों के कारण रूस को मुश्किल में डाला है तो भारत और चीन जैसे राष्ट्र उसके लिए संकटमोचक बने रहे हैं। यूरोप ने कच्चे तेल और ईंधन की रूस से खरीद न्यूनतम कर दी है। लेकिन भारत तथा चीन की खरीद जारी है। भारत का रूस से तेल आयात 400 फीसदी बढ़ा है। इससे रूस को बड़ा संबल मिला है। हालांकि भारत को अमेरिकी और यूरोपीय देशों का गुस्सा भी झेलना पड़ा है। पर उस गुस्से की भारत क्यों न उपेक्षा करे, जो पाकिस्तान के साथ युद्ध में भारत का साथ नहीं देता, उल्टे पाकिस्तान को शह देता है। यही अमेरिका 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के पक्ष में अपना परमाणु हथियारों से लैस जहाजी बेड़ा भेजता है। दूसरी तरफ रूस उस जहाजी बेड़े के मुकाबले के लिए भारत के पक्ष में अपना परमाणु जहाज भेजता है, कश्मीर के मसले पर कई बार भारत के हित में वीटो पावर का इस्तेमाल करता है, भारत के राकेश शर्मा को अंतरिक्ष यात्री बनाकर भेजता है, रक्षा और भारी उद्योग के समझौते करता है। दूसरी तरफ भारत तमाम दबावों के बाद भी दोस्ती बरकरार रखता है और पड़ोसी धर्म का पालन करता है। भारतीय विदेश नीति की नींव नेहरू के जमाने में रखी गई थी। इतिहास गवाह है कि कई अवसर आए हैं जब भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जटिल स्थितियों का सामना करना पड़ा तो इसी नीति ने उबारा। यह भी प्रमाणित है कि इस नीति से आंशिक विचलन भी हिंदुस्तान के लिए मुश्किलें लेकर आता है।

स्वच्छ एवं समृद्ध भारत बनाने की ओर बढ़ें मोदी

प्रभु चावला

चुनावी नतीजे चेतावनी भी होते हैं और वादों की याद भी दिलाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने कुछ अचरज भरे नतीजे हासिल किया है। केरल में पार्टी का खाता खुला और ओडिशा में उसकी पहली सरकार बनी। अब उनके समर्थक और विरोधी चाहते हैं कि वे कम-से-कम 'मोदी की गारंटी' को पूरा करें। साल 2014 से भारत ने एक नयी छवि और नया अर्थ पाया है। यह दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में है और उसकी वृद्धि दर सर्वाधिक है। अन्वेषण एवं तकनीक में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। हर कूटनीतिक बैठक में उसकी शिरकत जरूरी है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का यह पसंदीदा गंतव्य है।

चमक को वापस लाने के लिए मोदी को अपने तरीके और बहुमत को फिर हासिल करना चाहिए। पहली बात, अब कोई ऐसा नया नारा नहीं दिया जाना चाहिए, जिसमें कोई दम नहीं हो। मोदी की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक है भारतीय मानस को छद्म धर्मनिरपेक्षता से मुक्त कराना। कुछ समर्थक चाहते हैं कि मोदी अपने धुर हिंदुत्व धर्मयुद्ध की धार कुछ कम कर दें। इससे अधिकतम चुनावी लाभ लिया जा चुका है। देश के आधे से अधिक हिस्से का भगवाकरण हो चुका है। अब प्रधानमंत्री को अपने बुनियादी वादों की ओर लौटना चाहिए, जिन्हें पूरा करने का जिम्मा उन्होंने भरोसेमंद मंत्रियों और अधिकारियों को दे दिया था। यदि स्वच्छ भारत और 'अधिकतम शासन एवं न्यूनतम सरकार' को ठीक से लागू किया जाता, तो बड़े बदलाव हो सकते थे। इसका दोष नौकरशाही पर है, जो बदलना नहीं चाहती।

दशकों से हमारे देश में असाधारण रूप से बड़ी सरकारें रही हैं, पर शासन की गुणवत्ता बेहद खराब रही है। ऐसा प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं कहा था, लेकिन दस साल बाद उनकी ही सरकार का आकार बहुत बड़ा है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से अधिक दर से खर्च बढ़ रहा है। साल 2023 में वेतन एवं भत्ते पर 2.80 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए थे। अगले साल यह आंकड़ा तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जायेगा। सरकारी कर्मियों की संख्या 31 से बढ़कर 35 लाख हो जायेगी। तकनीक को अधिक अपनाने की जरूरत है, पर सरकार एक ही काम के लिए अधिक से अधिक लोगों की भर्ती कर रही है। मसलन, दो साल में प्रत्यक्ष कर विभाग के लिए स्वीकृत कर्मियों की संख्या 49 से बढ़कर 79 हजार हो गयी है। दस्तावेजों के अनुसार, अप्रत्यक्ष कर से जुड़े कर्मियों की तादाद 53 से बढ़कर 92 हजार हो जायेगी।

दशकों से हमारे देश में असाधारण रूप से बड़ी सरकारें रही हैं, पर शासन की गुणवत्ता बेहद खराब रही है। ऐसा प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं कहा था, लेकिन दस साल बाद उनकी ही सरकार का आकार बहुत बड़ा है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से अधिक दर से खर्च बढ़ रहा है। साल 2023 में वेतन एवं भत्ते पर 2.80 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए थे। अगले साल यह आंकड़ा तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जायेगा। सरकारी कर्मियों की संख्या 31 से बढ़कर 35 लाख हो जायेगी।

परिवार कल्याण मंत्रालय के कर्मियों की संख्या 20 से बढ़कर 28 हजार हो जायेगी। लेकिन शोध एवं अनुसंधान में केवल 61 कर्मी ही होंगे। संस्कृति मंत्रालय में 10 हजार से अधिक कर्मी हैं, पर पर्यटन विभाग में केवल 583 लोग ही कार्यरत हैं। बहुत बड़ी कैबिनेट बनाने की मोदी की परंपरा पहले कार्यकाल से ही चली आ रही है। इस बार 30 कैबिनेट मंत्री हैं, पांच स्वतंत्र प्रभार के राज्य मंत्री हैं और 41 राज्य मंत्री हैं। अनाधिकृत आकलन के अनुसार, एक मंत्री पर हर माह एक करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। केंद्र में 53 मंत्रालय तथा लगभग 80 विभाग हैं।

राजीव गांधी ने मंत्रालयों का विलय कर सरकार को व्यवस्थित करने की कोशिश की थी। मसलन, रेल, यातायात और नागरिक उड्डयन को एक मंत्रालय बनाया गया था। पर राजनीतिक मजबूरियों के चलते उन्हें इस मॉडल को वापस लेना पड़ा था। मंत्रालयों की अधिक संख्या और उन पर खर्च होने वाला धन एवं समय असली संकट है। एक कैबिनेट मंत्री 15 लोगों का निजी स्टाफ रख सकता है। यदि उसके पास दो या तीन मंत्रालय हैं, तो वह स्टाफ की संख्या दुगुनी या तिगुनी कर करदाताओं के पैसे से छोटा सा साम्राज्य खड़ा कर सकता है। स्वतंत्र प्रभार का राज्य मंत्री 11 और राज्य मंत्री नौ लोगों का निजी स्टाफ रख सकता है। मोदी सरकार के स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों को एक कैबिनेट मंत्री के अधीन अतिरिक्त कार्यभार भी दिया गया है। बीस राज्य मंत्रियों को दो या अधिक विभाग मिले हैं। मसलन, जितेंद्र सिंह के पास दो स्वतंत्र प्रभार के विभागों के साथ चार और विभाग मिले हैं। अगर वे चाहें, तो 60 लोगों का निजी स्टाफ रख सकते हैं। सचिव स्तर के अधिकारियों की संख्या बीते एक दशक में लगभग 50 प्रतिशत बढ़ गयी है। इस अधिकता से कामकाज और निर्णयों में देरी होती है। स्वच्छ भारत अभियान सेलिब्रिटियों और नेताओं के लिए फोटो खिंचाने का अवसर भर बनकर रह गया।

मोदी ने इस अभियान के दूत के रूप में फिल्मी सितारों, मीडिया मालिकों, उद्योगपतियों, सिविल सोसाइटी के नेताओं और खिलाड़ियों को चुना। उनसे अपेक्षा थी कि वे विभिन्न सरकारी एजेंसियों के सहयोग से कुछ जगहों को गोद लेंगे और जागरूकता के लिए कार्यक्रम करेंगे। इसके लिए खूब पैसा आवंटित किया गया। प्रधानमंत्री का उद्देश्य था कि गंदगी से भरे देश की छवि मिटा दी जाए। लेकिन उनके चयनित चैंपियनों ने उन्हें धोखा दिया और रुचि लेना बंद कर दिया। सरकार ने भी ऐसा ही किया। मोदी स्थानीय निकायों, जन-प्रतिनिधियों, अधिकारियों और युवाओं को लामबंद करने में विफल रहे। सभी नगर निगमों में भ्रष्टाचार का राज है। कुछ का बजट तो मध्य आकार के राज्यों से भी अधिक है। स्वच्छता कर्मियों, इंजीनियरों, पार्षदों और आयुक्तों के आपराधिक गठजोड़ ने शहरों को दुर्गंध भरी बस्तियों में तब्दील कर दिया है। हमारी नदियां नाला बन गयी हैं। भारी बारिश में सड़कों और घरों में बाढ़ आ जाती है। हवाई अड्डों के छत गिर रहे हैं, तो हवाई अड्डे, बस व रेलवे स्टेशन पानी में डूबे हुए हैं। मोदी को स्वच्छ भारत अभियान को नया जीवन देना चाहिए। खरबपति पार्षदों को उन्हें यह समझाना चाहिए कि शहर को साफ रखना व्यापार के लिए अच्छा है और यह एक सामाजिक कार्य भी है।

मोदी के स्वयं के नेतृत्व में ऐसे राष्ट्रीय अभियान से रोजगार बढ़ेगा, नयी तकनीक आयेगी, निवेश आयेगा। भारत को गंदा रखने के लिए किसी को सजा नहीं मिली है। दोषियों को सरकार आर्थिक अपराधियों की तरह दंडित करे। अगर भारत रहने लायक नहीं रहेगा, तो शेयर बाजार की चमक भी फीकी पड़ जायेगी। साल 2029 में जीत और राज्यों में पकड़ बनाये रखने के लिए भाजपा को नये मोदी की आवश्यकता है। भारत जल्दी ही पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जायेगा। स्वस्थ मोदी का अर्थ है स्वच्छ एवं समृद्ध भारत। नवोन्मेष पर ध्यान होना चाहिए। प्रतिकार की जगह प्रमाण को स्थापित किया जाना चाहिए। तभी चौथी बार पुख्ता जीत हासिल होगी।

पुराण दिग्दर्शन ....

पुराण-परिचयाध्याय (भाग-2)

गतांक से आगे...

दुर्योधन- भी अपने नाम के अनुरूप योधन (योद्धा) तो अवश्य था परन्तु दु-र्दुष्ट खोटा अन्याययुक्त युद्ध ही उसे प्रिय था, भीम- के समान भयंकर और अर्जुन के समान अपने गुणों से दूसरों को अपना बनाने वाला वीर दूसरा मिलना कठिन है, ये दोनों विशेषताएं दुश्शासन की छाती फाड़ कर रुधिर की बुल्लु भरते हुवे भीम के दर्शन करने पर और अपने रथ के सारथ्य के लिए जगद्वन्द्य श्रीकृष्ण को नियुक्त करते हुये अर्जुन को देख कर स्फुट हो जाती हैं। द्रोपदी जैसी प्रात:स्मरणीया अबला को भरी सभा में नग्न करने में ही जिसकी विरुद सुरक्षित रहती ही उससे बढ़कर दुश्शासन और कौन हो सकता है ? इसी प्रकार दूसरे व्यक्तियों के नाम और गुणों में भी समता है।

यहां तक यह बताने की चेष्टा की गई है कि प्राचीन समय में आर्य जाति में बहुत कुछ सोच समझ कर नामकरण करने की रीति प्रचलित थी। अब भले ही हजारों विद्यासागर, विद्याघर वेदप्रकाश और वेदालङ्कार नाम वाले नत्रमूर्ख मिलते हों, और बहादुरसिंह नामधारी व्यक्ति चूहों की खड़खड़ाहट को चोर की सेंध समझकर चद्दर से मुंह ढाँप लेते हों परन्तु प्राचीन समय में यथा नाम तथा गुण: सिद्धान्त पर बहुत बल दिया जाता था।

खासकर ग्रन्थों के नाम-करण में तो कभी भी असावधानी नहीं की जाती थी यह बात संस्कृत साहित्य के मर्मज्ञ भली भांति जानते हैं। ईश्वरकृपा से ग्रन्थों के सम्बंध में तो अभी तक भी इस शिष्ट शैली का बहुत कुछ पालन किया जा रहा है। अब भी सिद्धहस्त लेखक अपने ग्रन्थ का नाम उस ग्रंथ की विशेषता व्यक्त कर सकने योग्य ही रखते हैं। इसलिए हम सर्वप्रथम पुराण शब्द की व्युत्पत्ति पर विचार करना आवश्यक समझते हैं।

क्रमश: ...

राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस

विशाखा सिंह

हर साल 10 जुलाई को भारत में राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस मनाया जाता है। यह दिवस देश में मछली किसानों, मछुआरों और मछली पालन से जुड़े अन्य हितधारकों के काम को सम्मान और समर्थन देता है। इस साल 2024 में पूरे देश में 24वां राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस मनाया जाएगा।

10 जुलाई 1957 के दिन प्रोफेसर डॉ. हीरालाल चौधरी और उनके सहयोगी डॉ. अलीकुन्ही ने ओडिशा के अंगुल में प्रमुख कार्प्स के सफल प्रेरित प्रजनन में कार्प पिट्यूटरी हार्मोन को निकालने में सफलता हासिल की थी। ऐसा देश में पहली बार किसी ने किया था। 10 जुलाई, 1957 को दोनों वैज्ञानकों ने हाइपोफिजेशन का प्रदर्शन किया था, जो भारतीय मेजर कार्प्स में प्रजनन को प्रेरित करने की एक तकनीक

है। इनके इसी योगदान को रेखांकित करने के लिए हर साल भारत में 10 जुलाई को मत्स्य किसान दिवस मनाया जाता है।

साल 2001 में, भारत सरकार द्वारा 10 जुलाई को राष्ट्रीय मछली पालन दिवस के रूप में नामित किया था। परिणामस्वरू, 2001 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने देश का पहला राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस का समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर मत्स्य पालन शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान -सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ फिशरीज एजुकेशन भी शामिल हुआ।

राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस देश के मत्स्य उद्योग के विकास के लिए मछली किसानों, एक्वाप्रेन्योर (जल क्षेत्र में व्यवसायी) और मछुआरों द्वारा किए गए योगदान को पहचानने के लिए मनाया जाता है। यह दिवस एक्वाकल्चर में शामिल लोगों, जैसे- मछुआरे, मछली किसान, मत्स्य विशेषज्ञ और अन्य हितधारकों के प्रति के लिए समर्थन व्यक्त करता है। इसका एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य स्थायी मत्स्य पालन स्टॉक और मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करने के लिए देश के मत्स्य पालन संसाधनों का प्रबंधन करने के तरीके को बदलने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। मत्स्य उद्योग से राष्ट्र की अर्थव्यवस्था और सामान्य विकास बहुत प्रभावित होता है। मत्स्य उद्योग, जिसे कभी नवोदित विकासशील उद्योग के रूप में जाना जाता है, विकास के माध्यम से भारी क्षमता पैदा करने की स्थिति में है जो न्यायसंगत और समावेशी दोनों है। इसलिए राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस इतना महत्व रखता है। 10 जुलाई, 2023 को महाबलीपुरम में राष्ट्रीय मछली किसान दिवस 2024 उत्सव कार्यक्रम में देश भर के 30 असाधारण स्टार्टअप की एक प्रदर्शनी होगी, जो देश में मत्स्य पालन नवप्रवर्तकों में से सर्वश्रेष्ठ का प्रदर्शन करेगी। स्टार्टअप्स को अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए क्यूरेटेड सत्रों की भी व्यवस्था की जाएगी। 'स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव' विशेष रूप से मत्स्य पालन और जलीय कृषि उद्योग में महत्वाकांक्षी उद्यमियों और स्टार्ट-अप का समर्थन करता है, जिससे उन्हें अपने विचारों और प्रौद्योगिकियों को प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है जो इस क्षेत्र के विकास और आधुनिकीकरण में योगदान दे सकते हैं।

ब्रिटेन की नई हुकूमत के समक्ष चुनौतियों की भरमार?

डॉ. रमेश ठाकुर

ब्रिटेन के चुनाव परिणामों ने अचानक मौसम गर्मा दिया है। वहां राजनीति इतिहास का नया पन्ना लिखा जाएगा, क्योंकि सियासत की नई सुबह का आगाज हुआ है। चुनाव का ऐसा रिजल्ट, जिसकी कल्पना तक किसी ने नहीं की थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने भी नहीं सोचा होगा। ब्रिटेन वासियों ने तकरीबन-तकरीबन एक तरफा फैसला विपक्ष के हक में सुना डाला। चुनाव में विजय हासिल करने वाली 'लेबर पार्टी' ने ब्रिटेन के सियासी इतिहास में पूर्व में जीत के सभी रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। रिजल्ट देखकर पार्टी प्रमुख 'कीर स्टार्मर' फूले नहीं समा रहे। समाना चाहिए भी नहीं? आखिर उनका सपना जो सच हो रहा है। प्रधानमंत्री का ताज उनके सिर पर सजेगा। ब्रिटेनी नेशनल असेंबली में अभी तक वह नेता विपक्ष की भूमिका में थे। विपक्ष के तौर पर उन्होंने जो जनकल्याणी मुद्दे कुरेदे। उनको देशवासियों ने पसंद किया, काफी प्रभावित और आकर्षित भी हुए। चुनावी समर में उन्होंने जनता से जो जमीनी वादे किए, उन्हें लंदन के मतदाताओं ने सिर आंखों पर उठाया। जनता ने आंख मूंदकर विश्वास किया। फिलहाल उन सभी वादों को पूरा करने की जिम्मेदारी अब नए सरताज के कंधों पर है। चुनौतियां हजार हैं, लेकिन उन्हें खुद पर उम्मीद है कि चुनौतियों का सामना कर लेंगे।

भारत के लिहाज से ऋषि सुनक की हार अच्छी नहीं है। क्योंकि प्रधानमंत्री रहते उनका मंदिरों में जाना, पूजा-अर्चना करना, हिंदू-हिंदुत्व की बातें करना, ये सब सनातनी प्रचार का हिस्सा माना जाता था। शायद ऐसा करना उनके लिए नुकसानदायक साबित हुआ हो। ब्रिटेन में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। अफसोस इस बात का है कि उन्होंने भी ऋषि सुनक से किनारा कर लेबर पार्टी को वोट किया। भारतीयों ने ऋषि सुनक को क्यों नकारा इसकी समीक्षा लंदन से लेकर भारत में खूब हो रही है। प्रधान मंत्री ऋषि सुनक बेशक अपनी संसदीय 'नॉर्थलेरटन' सीट से जीते हों। पर, बहुत कम

अंतर से? उनकी समूची पार्टी बुरी तरह से हारी है। विपक्ष की ऐसी सुनामी जिसमें मानो सत्तापक्ष असहाय होकर बह गया हो। ऋषि सुनक भी मात्र 23,059 वोटों से ही जीते हैं। वरना, शुरुआती रुझानों में उनकी भी हालत पतली थी। दो राउंड तक पीछे रहे।

ताज्जुब वाली बात ये है कि 'नॉर्थलेरटन' वह क्षेत्र है, जहां सुनक स्वयं रहते हैं और भारतीयों की संख्या भी अच्छी-खासी है। बकायदा उनके घर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है, लोग शामिल होते हैं। इसके अलावा भारतीय तीज-त्यौहारों पर लोगों को जुटना होता हैं। ऐसे मौकों पर तरह-तरह के भारतीय व्यंजन पकते हैं। पर वो लोग-समर्थक भी उनसे झिटक गए। ऋषि के ज्यादातर मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ प्रमुख नेता भी चुनाव में चित हो गए। कईयों की तो जमानतें भी जब्त हुई हैं। लंदन और भारत के मौजूदा चुनावों ने एक बात ये बता दी है कि मतदाताओं के मिजाज को पढ़ना अब आसान नहीं? कोई नेता या दल इस मुगालते में न रहे हैं कि फला समुदाय या मतदाता उनका है?

बहरहाल, ब्रिटेन में आए चुनाव नतीजे एग्जिट पोल के मुताबिक ही रहे। कुल सीटें 650 हैं जिनमें एग्जिट पोल में लेबर पार्टी को 410 सीट मिलने का अनुमान था। कमोबेश, फाइनल नतीजे उसके आसपास ही रहे हैं। आए नतीजों को देखकर लेबर पार्टी चमत्कार मान रही है। जैसे, दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों को देखकर खुद अरविंद केजरीवाल हक्के-बक्के रह गए थे। ब्रिटेन चुनावों की सूनामी में ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी की एकदम उड़ गई। लेबर पार्टी ने 650 सीटों में से 400 पार के साथ 14 साल बाद प्रचंड वापसी की है। ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव हुए थे। चुनावी मुद्दे कुछ ऐसे थे, जिनमें ऋषि सुनक घिर गए थे। दो प्रमुख मसले जिसमें पहला कोरोना में व्यवस्थाओं का चरमराना, वहीं दूसरा देश की अर्थव्यवस्था का ग्राफ नीचे खिसक जाना? इन दोनों मुद्दों को लेबर पार्टी ने अपना चुनावी कैंपेन बनाया था। भारत के साथ मित्रता और देशवासियों के हितों की अनदेखी करने का मुद्दा भी लंदन के चुनाव में खूब उछला।

बहरहाल, ब्रिटेन की नई हुकूमत के साथ हमारे संबंध कैसे होंगे? इस सवाल के अलावा बड़ा सवाल यह खड़ा हो चुका है कि आखिर भारतीयों का सुनक के प्रति मोहभंग हुआ क्यों? ऋषि के भारतीय मूल के होने पर प्रवासी भारतीयों को उन पर गर्व होता था। पर, जब वोटिंग का समय आया, तो ऐसा प्रतीत हुआ कि भारतीयों ने इमोशनल एंगल की जगह बदलने के लिए मतदान किया। दरअसल इसे कंजर्वेटिव पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के 14 साल के शासन से उपजी निराशा मानी जा रही है। वैसे, दिल पर लेने की जरूरत इसलिए भी नहीं है, राजनीति में हार-जीत कोई बड़ी बात नहीं? बदलाव होते रहते हैं और होने भी चाहिए? किसी एक व्यक्ति या दल के पास सत्ता की चाबी ज्यादा समय तक जनता रखना भी नहीं चाहती। हमारे यहां संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भी दुनिया ने चमत्कारी बदलाव देखें? हालांकि, प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हार स्वीकार करते हुए लंदन वासियों से माफी मांगते हुए लेबर पार्टी के नेता 'कीर स्टार्मर ब्रिटेन' के अगले शासक बनने के लिए दिल खोलकर बधाई दी है। राजनीतिक लोगों में ऐसे नैतिकता हमेशा रहनी चाहिए।

निसंदेह लेबर पार्टी के लिए ये जीत करिश्माई है। उम्मीदों को सच करने वाली, अभिलाषाओं को जीवित करने वाली और नए इतिहास और संविधान को स्थापित करने वाली है। नई सरकार पर उम्मीदों का पहाड़ है। चर्मराई अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने की चुनौती के अलावा विभिन्न देशों के साथ संबंध सुधारने की परीक्षा। पनपते नए किस्म के आतंकवाद से निपटना, अमेरिका की बिलावजह दखलदांजी को रोकना, उर्जा श्रोत्रों को स्थानीय स्तर पर खोजना, गैस और प्राकृतिक संसाधनों का उत्सर्जन करना, यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद बिगड़े कई मुल्कों से संबंधों को फिर से नई धार देना। भारत के साथ मधुर हुए संबंधों को यथावत रखना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। हालांकि स्टॉर्मर ने अपने पहले विजयी भाषण में सिर्फ अपने मुल्कवासियों को संदेश दिया है जिसमें उन्होंने कहा है कि 'मैं आपकी आवाज बनूंगा, आपका साथ दूंगा, हर दिन आपके लिए लडूंगा। उनके कहे उन शब्दों पर जनता ने खूब तालियां बजाई हैं। लंदन का एक तिहाई समर्थन उनके पक्ष में है। इस जनादेश और जनसमर्थन को सहेजना भी कठिन परीक्षा जैसा रहेगा।

आज का इतिहास

1958 ब्रिटेन में पहले पार्किंग मीटर स्थापित किया गया।

1962 टेलस्टार को कक्षा में लॉन्च किया गया था। यह दुनिया का पहला संचार उपग्रह था। इसे अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने लॉन्च किया था। इसे थोर-डेल्टा रॉकेट की मदद से लॉन्च किया गया था। इसने उपग्रह टेलीविजन प्रसारण को सफलतापूर्वक प्रसारित किया।

1962 टेलस्टार , दुनिया का पहला सक्रिय, प्रत्यक्ष रिलेक्टेक्टेशन उपग्रह, नासा द्वारा एक डेल्टा रॉकेटफ्रेम केप कैनावेरल में लॉन्च किया गया था।

1962 टेलस्टार, दुनिया का पहला सक्रिय, प्रत्यक्ष रिले संचार संचार, जो नासा द्वारा केपचेरल से एक डेल्टा रॉकेट पर सवार होकर लॉन्च किया गया था।

1966 मार्टिन लूथर किंग, जूनियर ने शिकागो स्वतंत्रता आंदोलन के समर्थन में एक रैली का नेतृत्व किया, जो उत्तरी अमेरिका के सबसे महत्वाकांक्षी नागरिक अधिकारों के अभियानों में से एक है।

1967 उरुग्वे बर्न सम्मेलन संधि का सदस्य बन गया। संधि का वास्तविक नाम बर्न सम्मेलन कॉपीराइट संधि है। इस संधि के तहत कॉपीराइट का अधिकार असली मालिक या आविष्कारकों द्वारा सुरक्षित किया जाता है जो अनधिकृत नकल को अपराध मानते हैं।

1967 दशमलव मुद्रा को न्यूजीलैंड द्वारा अपनाया गया था। दशमलव मुद्रा एक प्रकार की मुद्रा है जिसमें उप इकाइयाँ होती हैं। कई देशों की दशमलव मुद्राएँ हैं जैसे कि अरब, दक्षिण एशियाई आदि।

1973 राष्ट्रमंडल में राष्ट्रों के भीतर बहामा को पूर्ण आजादी मिली।

1973 बहामास ने आम देश के भीतर स्वतंत्रता प्राप्त की। बहामा अटलांटिक महासागर में स्थित एक द्वीप देश है। इसमें सात सौ से अधिक छोटे द्वीप शामिल हैं। यह इंग्लैंड के रानी एलिजाबेथ द्वितीय के रूप में एक सामान्य राष्ट्र प्रमुख है।

1976 इटली में सीवसो आपदा हुई। यह एक औद्योगिक आपदा थी। आवासीय आबादी में 2, 3, 7, 8 - टेट्राक्लोरोडिबेंजो-पी-डाइऑक्सिन के रिसाव के कारण ऐसा हुआ। 3000 से अधिक जानवर मृत पाए गए और कई मनुष्य त्वचा की सूजन और जलन से पीड़ित थे।

1991 दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम को आईसीसी में पढ़ा गया था। सरकार की रंगभेद नीति के कारण टीम को निलंबित कर दिया गया था। रंगीन खिलाड़ियों को टीम से बाहर भेज दिया गया और केवल गोरों को खेलने की अनुमति दी गई।

फ्रांस में एक गठबंधन ने मैक्रों को सत्ता से बेदखल किया

अभिनय आकाश

साल 1988 की बात है कांग्रेस पार्टी के विरूद्ध एक गठबंधन ने एनडीए के रूप में आकार लिया। एक पार्टी को बहुमत का दौर उस समय तक बीत चुका था। जिसे एक मशहूर पॉलिटिकल साइंटिस्ट ने कांग्रेस सिस्टम कहा था। ये गठबंधन के दौर की शुरुआत थी। इससे पहले 90 के दशक में ही नेशनल फ्रंट और यूनाइटेड फ्रंट की दो-दो गठबंधन सरकारें गिर चुकी थी। एनडीए के साथ 1999 की सरकार में 24 दल साथ आए। बाद में 2014 के दौर में भी नए गठबंधन के बनाने और बिखरने की कहानी लगातार देखने को मिलती रही। लेकिन 25 साल बाद 2024 के चुनाव से पहले देश फिर उस मोड़ पर खड़ा नजर आया बस प्लेयर्स बदल चुके थे। भाजपा के विरूद्ध लगभग सारी राष्ट्रीय, क्षेत्रीय पार्टियों का एक गठबंधन जिसे इंडिया नाम दिया गया है। नाम भले ही ममता बनर्जी ने सुझाया हो और अघोषित नेतृत्व राहुल गांधी ने दिया हो, लेकिन ताना बाना बुनने के साथ ढांचा तैयार कर खड़ा नीतीश कुमार का ही किया हुआ था। चुनाव में बीजेपी को बहुमत से दूर करने में इस गठबंधन ने सफलता तो जरूर पाई। लेकिन एनडीए को बहुमत लाने से रोक नहीं पाई। नतीजतन फिर से तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन गए। लेकिन दिल्ली से छह हजार किलोमीटर दूर चुनाव से पहले बने एक गठबंधन ने मोदी के दोस्त मैक्रों को कुर्सी से उतारने में जरूर सफलता पा ली है। यानी जो काम मोदी के लिए इंडिया गठबंधन नहीं कर पाया। उसे उसके जैसे ही एक गठबंधन ने फ्रांस में कर दिखाया। फ्रांस चुनाव में बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। वामपंथी गठबंधन को संसदीय चुनाव के दूसरे दौर में सबसे अधिक सीटें मिली है। जबकि पहले दौर में जीत हासिल करने वाले गठबंधन को जीतने का अनुमान था। लेकिन वो तीसरे स्थान पर खिसक गये। हालाँकि, तीनों ब्लॉकों में से किसी के पास 577 में से कम से कम 289 सीटों का बहुमत नहीं है। फ्रांस को तब त्रिशंकु संसद का सामना करना पड़ता है।

आम चुनाव के पहले दौर में धुर दक्षिणपंथी की जीत देखी गई। मरीन ले पेन की राष्ट्रीय रैली (आरएन) को 33 प्रतिशत वोट मिले। वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) गठबंधन को 28 फीसदी और मैक्रों के टुगेदर ब्लॉक को 21 फीसदी वोट मिले। पहले दौर में नेशनल असेंबली की 577 सीटों में से एक को जीतने के लिए एक उम्मीदवार को 50 प्रतिशत से अधिक मतपत्र प्राप्त करने होंगे, जो पंजीकृत मतदाताओं के कम से कम 25 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस चुनावों से तीन प्रमुख राजनीतिक गुट

उभरे हैं- फिर भी उनमें से कोई भी 577 सीटों वाले निचले सदन नेशनल असेंबली में बहुमत के लिए जरूरी 289 सीटों के करीब नहीं पहुंच पाया है। हालांकि नेशनल रैली को रोकने में वामपंथी और मध्यमार्गी पार्टियों के गठबंधन न्यू पॉपुलर फ्रंट यानी एनएफपी को बड़ी सफलता मिली। न्यू पॉपुलर फ्रंट फ़िलहाल 182 सीटों के साथ पहले पायदान पर है। एनसेंबल गठबंधन 168, नेशनल रैली और सहयोगी दल 143 सीटें जीत सके हैं।

फ्रांस चुनाव नतीजे के बाद पेरिस के कुछ इलाक़ों में हिंसा देखने को मिली है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में पुलिस को दंगा गियर पहने हुए प्रदर्शनकारियों का सामना करते हुए दिखाया गया, जबकि आंसू गैस छोड़ी गई और कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर मोलोटोव कॉकटेल फेंके, स्मोक बम छोड़े, जिससे उनके और दंगा पुलिस के बीच झड़पें हुईं। नेशनल असेंबली फ्रांस की संसद के दोनों सदनों में सबसे महत्वपूर्ण है। सीनेट पर कानून बनाने की प्रक्रिया में इसका अंतिम अधिकार है, जिसमें रूढ़िवादियों का वर्चस्व है। अन्य यूरोपीय देशों में यह असामान्य बात नहीं है, आधुनिक फ्रांस ने कभी भी किसी प्रमुख पार्टी वाली संसद का अनुभव नहीं किया है। ऐसी स्थिति में सांसदों को सरकारी पदों और कानून पर सहमत होने के लिए पार्टियों के बीच आम सहमति बनाने की आवश्यकता होती है। फ्रांस की अस्थिर राजनीति और करों, आप्रवासन और मध्यपूर्व नीति पर गहरे विभाजन इसे विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बनाते हैं।

एनएफपी एक अंतिम समय में आवश्यकता से उत्पन्न हुआ गठबंधन है और इसका गठन राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा पिछले महीने मरीन ले पेन की धुर दक्षिणपंथी नेशनल रैली (आरएन) पार्टी से यूरोपीय संसद चुनाव में हार के मद्देनजर आकस्मिक संसदीय चुनाव बुलाए जाने के कुछ ही दिनों बाद किया गया था। पॉपुलर फ्रंट में फ्रांस की सोशलिस्ट पार्टी, फ्रांसीसी कम्युनिस्ट पार्टी और फ्रांस अनबोएड शामिल हैं। चुनाव के पहले दौर में नेशनल रैली की शानदार जीत के बाद धुर दक्षिणपंथ को सीधे जीतने से रोकने के लिए पार्टियों ने एक अप्रत्याशित गठबंधन बनाया। 30 जून को पहले दौर के मतदान में एनपीएफ 28 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि नेशनल रैली 33 प्रतिशत वोटों के साथ आगे रही। मैक्रों के गठबंधन को केवल 21 प्रतिशत हासिल हुआ।

अब, ये एक पेचीदा सवाल है। 7 जुलाई को प्रारंभिक परिणाम घोषित होने के बाद, गठबंधन के सहयोगियों ने एक साथ आने के बजाय अपने-अपने मुख्यालयों में अपनी जीत का जश्न मनाया। हालाँकि, 74 सीटें हासिल करने वाली फ्रांस अनबोएड पार्टी के प्रमुख जीन-ल्यूक मेलेनचॉन एनएफपी के सबसे लोकप्रिय नेता और यहां तक ??कि इसके सबसे विभाजनकारी नेता हैं। 72 वर्षीय राजनेता का राजनीति में एक लंबा करियर रहा है- वह 35 साल की उम्र में सीनेटर बने, 2009 में यूरोपीय संघ के सांसद बने और 2022 के राष्ट्रपति चुनाव में मैक्रों और ले पेन के बाद तीसरे स्थान पर रहे। हालांकि मेलेनचोन जनता के बीच लोकप्रिय विकल्प नहीं है। इफॉप द्वारा फ्रांसीसी यहूदी मतदाताओं के एक हालिया सर्वेक्षण से पता चला है कि 57 प्रतिशत ने कहा कि अगर मेलेनचॉन की पार्टी शासन करती है तो वे फ्रांस छोड़ देंगे। एक अन्य विकल्प प्लेस पब्लिक के उदारवादी नेता और यूरोपीय संसद के सदस्य राफेल ग्लक्समैन हो सकते हैं। हालाँकि, पहले उन्होंने खुद को प्रधान मंत्री पद की दौड़ से बाहर कर दिया था, लेकिन यह भी कहा था कि वह मेलेनचोन को इस भूमिका में नहीं चाहते थे। ग्रीन पार्टी के नेता मरीन टोंडेलियर भी हैं, जो चुनाव के दौरान वामपंथी अभियान में सबसे प्रमुख आवाज़ों में से एक के रूप में उभरे। 37 वर्षीय, जो आरएन द्वारा संचालित उत्तरी शहर हेनिन ब्यूमोंट की रहने वाली है, को कई मीडिया आउटलेट्स द्वारा प्रोफाइल किया गया है और उसके हरे रंग के ब्लेज़र की सोशल मीडिया पर भी अपनी फॉलोइंग है। एनएफपी की नीतियां स्पष्ट रूप से कट्टर-वामपंथी एलएफआई से प्रभावित हैं। एनएफपी मैक्रों के विवादास्पद पेंशन सुधारों को पलटने और सेवानिवृत्ति की आयु को 60 वर्ष पर वापस लाने जैसे दावे करता है। 2023 में मैक्रों ने एक कानून पारित किया जिसने सेवानिवृत्ति की आयु 62 से बढ़ाकर 64 कर दी, इस शर्त के साथ कि सेवानिवृत्त व्यक्ति ने कम से कम 43 साल काम किया हो। एनएफपी ने न्यूनतम मासिक वेतन को 1,600 यूरो (.1,700 से अधिक) तक बढ़ाने और आवश्यक खाद्य पदार्थों, बिजली, ईंधन और गैस की कीमत को सीमित करने का भी वादा किया है। इसका लक्ष्य न्यूनतम वेतन बढ़ाना और 500,000 चाइल्डकैअर स्थानों को वित्त पोषित करना भी है। इसके अलावा, इसने 2050 तक कार्बन तटस्थता पर कानून बनाने और यूरोपीय संघ की आम कृषि नीति में सुधार करने जैसे वादे किए हैं।

राजनीतिक अनदेखी से बाहर निकलेंगी वसुंधरा!

विनोद पाठक

रविवार का दिन था। मानसून की हल्की फुहारों के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपने सिविल लाइंस स्थित सरकारी आवास से बमुश्किल 500-600 मीटर दूर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के आवास पहुंचे। दोनों के बीच पूरा एक घंटा गहन मंत्रणा हुई। क्या बातचीत हुई? यह तो किसी को पता नहीं। इस मुलाकात को लेकर न वसुंधरा राजे और न ही भजनलाल शर्मा की ओर से सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट आई। न मुलाकात का फोटो या वीडियो जारी हुआ। क्या मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कदम को भाजपा की ओर से वसुंधरा राजे को मनाने का संकेत माना जाना चाहिए। ऐसा हो सकता है। यह जरूर कहा जा सकता है कि वसुंधरा राजे की राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर सक्रियता बढ़ने वाली है। पिछले साल दिसंबर में जब राजस्थान विधानसभा चुनाव के नतीजे आए तो भारतीय जनता पार्टी बहुमत के साथ सत्ता में लौटी। उस समय मुख्यमंत्री को लेकर कई नाम हवा में तैर रहे थे। इनमें एक नाम वसुंधरा राजे का भी था। सबसे अधिक हलचल उनके सिविल लाइंस स्थित बंगले पर थी। 80 से ज्यादा चुनकर आए विधायक वसुंधरा राजे से मिलने पहुंचे थे। वसुंधरा राजे का आत्मविश्वास भी साफ झलक रहा था। भाजपा हाईकमान को राजस्थान में निर्णय लेने में अधिक समय भी लगा। सबसे अंत में राजस्थान में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान हुआ। वो 12 दिसंबर 2023 की तारीख थी। उस दिन जयपुर में सर्द हवाओं के बीच भाजपा प्रदेश कार्यालय में सियासी पारा चढ़ा हुआ था। पार्टी नेतृत्व की ओर से केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जयपुर आए थे। शाम के समय मुख्यमंत्री के नाम का एलान होना था। झालावाड़ से विधायक वसुंधरा राजे भी बैठक में मौजूद थीं। मंच पर राजनाथ सिंह के साथ बैठी थीं। मुख्यमंत्री के नाम की पर्ची वसुंधरा राजे ने ही खोली थी, जिसमें सांगानेर से पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा का नाम था। उस समय वसुंधरा राजे की बॉडी लैंग्वेज को लेकर बहुत कुछ कहा गया। वसुंधरा राजे वर्ष 2003 से 2008 और वर्ष 2013 से 2018 तक राजस्थान की मुख्यमंत्री रही हैं। वर्ष 2014 में उनके मुख्यमंत्री रहते पार्टी ने राजस्थान की 25 की 25 सीटें जीती थीं। वर्ष 2018 में वसुंधरा राजे के नेतृत्व में पार्टी जरूर राजस्थान में विधानसभा चुनाव हार गई थी, लेकिन उसका प्रदर्शन बहुत खराब नहीं रहा था। हालांकि, वर्ष 2019 में एक बार फिर पार्टी ने राज्य की सभी 25 सीटें जीत ली थीं। निश्चित रूप से दोनों बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्माई चेहरा था। हालांकि, कुछ श्रेय वसुंधरा राजे को भी मिला। फिर धीरे से वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाकर राजस्थान की राजनीति से दूर करने की कवायद शुरू हुई। वसुंधरा राजे ने भी पार्टी में सक्रियता को लेकर अपना दायरा सीमित कर लिया। उनको पार्टी में खास तवज्जो नहीं मिल रही थी। यह बात साफ-साफ दिख भी रही थी। यही कारण था कि उन्होंने पार्टी के अधिकांश कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखी। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव परिणामों ने एक बार फिर वसुंधरा राजे को ऑक्सीजन दी है, क्योंकि पार्टी की राजस्थान की 25 में से 11 सीटों पर हार हुई। ऐसा माना गया कि यदि वसुंधरा राजे केवल अपने बेटे दुष्यंत सिंह की सीट झालावाड़-बारां तक स्वयं को सीमित नहीं रखतीं और प्रदेश भर में पार्टी के लिए प्रचार करतीं तो परिणाम अच्छे हो सकते थे। इन परिणामों को लेकर पार्टी में आत्ममंथन, आत्मचिंतन और आत्मावलोकन के दौर चल रहे हैं। हालांकि, अब तक कोई ठोस कारण निकल कर नहीं आया है। यह भी संभव है कि पार्टी किसी ठोस कारण पर स्वयं पहुंचना भी नहीं चाह रही है। फिर अपने तीसरे कार्यकाल में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताकत पहले जैसी नहीं है। अब जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वसुंधरा राजे के आवास पहुंचे हैं तो कोई न कोई संदेश या संकेत के साथ वहां गए होंगे। कारण जो भी हो, लेकिन वसुंधरा राजे की स्थिति राजस्थान में एक बार फिर मजबूत होती दिख रही है।

विपक्ष द्वारा सरकार का विरोध करना सामान्य राजनीति

अवधेश कुमार

संसद के दृश्य ने डर पैदा किया है। भारतीय संसद के इतिहास में पहली बार लोकसभा में विपक्ष के नेता के भाषण का इतना बड़ा अंश अध्यक्ष को हटाना पड़ा। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इसे भी गलत बताते हुए अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा तथा रिकॉर्ड से हटाए अंश को वापस लाने की मांग की। उन्होंने पत्र में भाजपा सांसदों का उल्लेख कर बताया कि उनके भाषण में तथ्य नहीं थे लेकिन ज्यादा अंश नहीं हटाया गया। इस तरह राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष को भी भाजपा के पाले का साबित करने की कोशिश की। लगातार हमने विपक्ष की ओर से लोकसभा एवं राज्यसभा दोनों के पीठासीन अधिकारी को कटघरे में खड़ा करने वाले बयान सुने हैं। संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में पहले कभी ऐसा दृश्य उत्पन्न नहीं हुआ जो हमने इस बार देखा।

भारतीय संसद में विपक्ष के नेता का पद अत्यंत सम्मानित होता है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जब बोल रहे थे तो प्रधानमंत्री पूरे समय उपस्थित रहे। एक बार स्वयं उठकर उनके भाषण पर प्रतिवाद किया तो 2 बार गृह मंत्री उठे। एक बार रक्षा मंत्री को उठना पड़ा तो एक बार कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को। भाषण के दौरान वैसा हंगामा नहीं हुआ जिसे कहा जाए कि सत्ता पक्ष उन्हें सुनना नहीं चाहता था। राहुल गांधी ने लगभग 2 घंटे का पूरा भाषण दिया जिसे सत्ता पक्ष ने सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में जैसे ही बोलने के लिए खड़े हुए बाधा डालने के लिए शोर-शराबा आरंभ हुआ और अंत तक जारी रहा। प्रधानमंत्री को चिढ़ाने के लिए 'हुंआ हुंआ हुंआ' जैसी आवाज भी निकाली गई। प्रधानमंत्री को भाषण देने के लिए ईयर फोन लगाना पड़ा ताकि शोर कम सुनाई दे। राज्यसभा में तो विपक्ष ने बहिर्गमन ही कर दिया। क्या इसे संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष के निर्धारित गरिमापूर्ण व्यवहार के अनुरूप कहा जाएगा?

कुछ लोगों का तर्क है कि चूंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों के शासनकाल में आवश्यकता से अधिक अहंकार दिखाया है, राहुल गांधी का उपहास उड़ाया है तो आज संख्या बल के कारण राहुल गांधी और विपक्ष

बदला ले रहा है। सरकार या सत्ता पक्ष ने लगातार अहंकार ही दिखाया इस पर एक राय नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन के अंदर राहुल गांधी या सोनिया गांधी परिवार पर अमर्यादित शब्द प्रकट किया हो इसका रिकॉर्ड नहीं है। अहंकार किसी का भी बुरा है। भाजपा इतना बड़ा जनाधार रखते हुए लोकसभा में बहुमत से वंचित रही तो उसका एक कारण उसके व्यवहार में निहित है। किंतु विपक्ष के व्यवहार को शर्मनाक के अलावा कोई शब्द नहीं दिया जा सकता।

तृणमूल नेत्री महुआ मोइत्रा भाषण देने के लिए खड़ी हुईं तो प्रधानमंत्री सदन के बाहर जा रहे थे। उन्होंने बोलना शुरू किया- प्रधानमंत्री जी, सुन लीजिए, सुन लीजिए, डरिए मत आप मेरे क्षेत्र में 2 बार गए आदि-आदि...। महुआ मोइत्रा सीधे तौर पर प्रधानमंत्री को चिढ़ा रहीं, उनका उपहास उड़ा रही थीं। इससे शर्मनाक और घटिया व्यवहार कुछ नहीं हो सकता। कई बार सदन की कार्रवाई चलती रहती है और प्रधानमंत्री को बाहर जाना होता है। सदस्य इस तरह उपहास करे यह स्वीकार्य नहीं हो सकता। राहुल गांधी के भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध जिस तरह के आरोप व हमले थे सामान्य व्यवहार में उसे बर्दाश्त करना कठिन होता है। उसके अनेक अंश झूठ निकले। ऐसा लगता नहीं था कि विपक्ष के नेता लोकसभा में बोल रहे हैं। यह चुनावी सभा जैसा था। अग्निवीर जवानों की शहादत के बाद क्षतिपूर्ति न दिए जाने का उनका आरोप गलत निकला।

विपक्ष द्वारा सरकार का विरोध, हमले, उसे घेरना तथ्यों के आधार पर उसे गलत साबित करना सामान्य राजनीति है। राहुल गांधी नरेंद्र मोदी, भाजपा और संघ के विरुद्ध अपने अंदर घनीभूत गुस्से व घृणा में इस सीमा को लगातार पार करते रहे। सदन के अंदर भगवान शिवजी की तस्वीर लेकर आना, दिखाना भक्ति या निष्ठा का पर्याय नहीं माना जा सकता। साफ था कि अपने राजनीतिक हित के लिए शिव जी की तस्वीर का वह उपयोग कर रहे हैं। जब संसद के नियमों के अनुरूप लोकसभा अध्यक्ष ने रोका तो वह कई बार पूछते रहे कि अध्यक्ष जी, क्या सदन में शिव जी की तस्वीर नहीं दिखा सकते? साफ है कि वह स्वयं को सच्चा हिदुत्ववादी साबित करते हुए संदेश दे रहे थे कि देखो भाजपा का अध्यक्ष सरकार का ध्यान रखते हुए हमें शिव जी की भी तस्वीर सदन में नहीं दिखाने दे रहा। यह पहली लोकसभा होगी जिसमें विपक्ष का व्यवहार ऐसा है मानो चुनाव वही जीता है एवं सत्ता पर अधिकार उसी का है। कई बार तो ऐसा लगता है जैसे सरकार उसी की चल रही हो। भाजपा की सीट घटना इसका एक पक्ष है किंतु नरसिम्हा राव ने 232 सीटों पर 5 वर्ष सरकार चलाई और देश का वर्णक्रम बदल दिया। मोदी के पास तो 240 सांसद हैं। मोदी के पास भाजपा की 240 सीटों के अलावा चुनाव पूर्व गठबंधन है।

नरसिम्हा राव के साथ यह नहीं था। मनमोहन सिंह ने पहले 145 और दोबारा 206 पर गठबंधन के आधार पर 10 वर्ष सरकार चलाई। विपक्ष खासकर राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की रणनीति में साफ झलकता है कि सरकार को निर्बाध काम करने नहीं देना है, संसद निर्बाध चलने नहीं देना है, हर समय सरकार के कमजोर होने, गिर जाने की बात करते रहनी है तथा ऐसी स्थिति पैदा करनी है कि साथी दलों के लिए सरकार के पक्ष में खड़ा होना कठिन हो जाए। इसमें यह भी रणनीति दिखाई देती है कि संसद में हमले से ऐसी स्थिति पैदा करो ताकि सत्ता पक्ष उत्तेजित होकर कुछ न कुछ गड़बड़ी कर दे और उसे बड़ा मुद्दा बनाकर चुनाव में जाया जा सके। देश इस व्यवहार को आसानी से नहीं पचा पाएगा जिसमें विपक्ष के नेता को तो सत्ता पक्ष सुन रहा हो और जब प्रधानमंत्री बोलने के लिए खड़े हों तो लोकसभा में लगातार शोर-शराबा किया जाए, विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपने सांसदों को बेल में जाने के लिए उकसाते दिख रहे हैं। यह व्यवहार अंदर से हिला देने वाला है। कल्पना करिए अगर सत्ता पक्ष विपक्ष के नेताओं के भाषण का बहिष्कार करने लगा तब कैसी स्थिति पैदा होगी?

ब्रिटेन के जनादेश में निहित संदेश

शिवकांत

इस वर्ष का ब्रिटिश आम चुनाव कई मायनों में ऐतिहासिक रहा है। विपक्ष को तैयारी का मौका न देने के लिए समय से पहले कराये गये इस चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी को 251 सीटें खोकर अपने संसदीय इतिहास की सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ा है।

सुनक सरकार के 12 वरिष्ठ मंत्री हार गये। पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस हार गयीं। पिछले चुनाव में 90 वर्षों की सबसे बुरी हार झेलने वाली लेबर पार्टी ने सर किएर स्टामर के नेतृत्व में 650 सीटों वाली संसद में 412 सीटें जीतकर चुनावी इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जीत हासिल की। इससे बड़ी जीत 1997 में हुई थी, जब टोनी ब्लेयर के करिश्माई नेतृत्व में लेबर पार्टी ने 20 साल से चली आ रही कंजर्वेटिव सरकार को हरा कर 418 सीटें जीती थीं।

इस साल की जीत के रहस्य की परतें वोट शेयर और मतदान प्रतिशत का आंकड़ा देखने पर खुलने लगती हैं। साल 2019 में लेबर पार्टी को 32।1 प्रतिशत वोटों के साथ 202 सीटें मिली थीं। इस बार उसे वोट तो 34 प्रतिशत ही मिले हैं, पर सीटें 412 हो गयी हैं। कंजर्वेटिव पार्टी का वोट शेयर पिछले चुनाव में 43।6 प्रतिशत था, जो इस बार केवल 24 प्रतिशत रह गया है। इस कमी से 251 सीटें उसके हाथ से निकल गयीं।

इस चुनाव में केवल 60 प्रतिशत लोगों ने वोट डाला, जो पिछले 20 वर्षों में सबसे कम था। कई सीटों पर हार-जीत का अंतर हजार वोटों से भी कम रहा है। सात सीटें तो ऐसी हैं, जहां केवल 15-100 के अंतर से ही हार-जीत तय हुई है। इसके बावजूद ऋषि सुनक ने हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए समर्थकों से माफी मांगी और स्टामर को शुभकामना देते हुए उनकी शालीनता और कार्यनिष्ठा की सराहना की। स्टामर ने भी अपने भाषण में सुनक के काम और कार्यनिष्ठा की सराहना की। अनुकूल जनादेश न मिलने पर भी उसे शालीनता से स्वीकार करने की इस स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा से अमेरिका और भारत के उन नेताओं को सबक लेना चाहिए, जो अपनी हार की समीक्षा करने की जगह चुनावी प्रक्रिया की खामियां निकालने और

अराजकता फैलाने में जुट जाते हैं।

वोट शेयर और सीटों की संख्या के बीच टूटते तालमेल का प्रमुख कारण प्रमुख पार्टियों के जनाधार का बिखरना है। नाइजल फराज की रिफॉर्म पार्टी कंजर्वेटिव पार्टी से टूटे उन समर्थकों से बनी है, जो धुर दक्षिणपंथी विचारधारा के हैं। रिफॉर्म पार्टी के उम्मीदवारों ने सैंकड़ों सीटों पर दूसरे और तीसरे स्थान रहकर कंजर्वेटिव उम्मीदवारों को हराने में मुख्य भूमिका अदा की है। कंजर्वेटिव पार्टी के पुराने नेता मानते हैं कि सुनक को नाइजल फराज और उनकी पार्टी की चुनौती का उपाय किये बिना समय से पहले चुनाव नहीं कराना चाहिए था। यह उनकी राजनीतिक समझ का कच्चापन है, जिसका नुकसान उन्हें और पार्टी को हुआ है।

बिखराव लेबर पार्टी के जनाधार में भी हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर की तरह ही किएर स्टामर ने भी लेबर पार्टी को मध्यवर्ग और कारोबारी वर्ग की पार्टी बनाने की कोशिश की। पार्टी के वामपंथी नेता जेरमी कॉर्बिन को निलंबित किया गया। उनके नेतृत्व में पारित जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के प्रस्ताव से किनारा किया गया। गाजा में चल रहे विनाश की कड़ी निंदा करने और युद्धविराम की मांग करने की जगह सरकारी नीति को दोहराने से पार्टी के मुस्लिम जनाधार में रोष फैला।

मध्य इंग्लैंड के स्थानीय निकायों के कई नेताओं ने लेबर पार्टी छोड़ दी और इस चुनाव में कई उम्मीदवारों ने गाजा में चल रहे अत्याचार के मुद्दे पर लेबर उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ा। इससे पार्टी को दर्जनों सीटों पर नुकसान हुआ और पांच निर्दलीय उम्मीदवार जीते, जिनमें जेरमी कॉर्बिन भी शामिल हैं। जैसे कंजर्वेटिव पार्टी को दक्षिणपंथी धड़े ने नुकसान पहुंचाया, उसी तरह लेबर पार्टी को उसके वामपंथी और इस्लामी धड़ों ने नुकसान पहुंचाया। पर उसका वोट शेयर कम रहा और सीटों की संख्या पर खास असर नहीं पड़ा।

कंजर्वेटिव पार्टी को बहुत अधिक नुकसान होने का सबसे बड़ा कारण बोरिस जॉनसन और लिज ट्रस जैसे नेताओं की अनुशासनहीनता और अकुशलता रही, जिसका लाभ लेबर पार्टी को मिला। इसीलिए राजनीतिक करिश्मे और आकर्षक घोषणाओं के अभाव में भी लोगों ने स्टामर और उनकी पार्टी को ऐसा जनादेश दिया है, जो सीटों के हिसाब से भारी लगता है, लेकिन एक-तिहाई वोट शेयर की दृष्टि से प्रश्न भी खड़े करता है। स्टामर को इसका एहसास है। इसीलिए वे चुनाव जीतने के बाद अब लोगों का भरोसा जीतने की बात कर रहे हैं। लेकिन यह काम आसान नहीं होगा। अपनी केबिनेट में उन्होंने न्याय मंत्रालय पाकिस्तानी मूल की पूर्व बैरिस्टर शबाना महमूद को दिया है। गृह मंत्री इवेट कूपर को और विदेश मंत्री डेविड लामी को बनाया है। भारतीय मूल की लीसा नंदी संस्कृति, मीडिया और खेल मंत्री बनी हैं। वे लेबर पार्टी के नेतृत्व का चुनाव भी लड़ चुकी हैं और अनुभवी मंत्री हैं।

इस चुनाव में भारतीय मूल के 29 सांसद निर्वाचित हुए हैं, जो एक रिकॉर्ड है। इनमें से 19 लेबर पार्टी के हैं, ऋषि सुनक समेत सात कंजर्वेटिव पार्टी के हैं, दो निर्दलीय हैं और एक लिबरल पार्टी से है। इनमें पांच महिलाओं और एक किन्नर समेत 12 सिख सांसद भी शामिल हैं, जिनकी वजह से ब्रिटेन कनाडा के बाद सर्वाधिक सिख सांसदों वाला देश बन गया है। इनमें से कुछ की सहानुभूति खालिस्तानी आंदोलन के साथ भी रही है। पाकिस्तानी और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीरी मूल के भी 15 सांसद चुने गये हैं। संसद में इनके विचार और गतिविधियां नयी लेबर सरकार और भारत-ब्रिटेन संबंधों के लिए चुनौती बन सकती हैं। वैसे प्रधानमंत्री सर किएर स्टामर और उनके विदेश मंत्री डेविड लामी कह चुके हैं कि भारत के साथ व्यापारिक और सामरिक संबंध प्रगाढ़ करना उनकी सरकार की प्राथमिकता होगी।

संघ और सेवा को एक दूसरे का पर्याय मानते हैं भागवत

कृष्णमोहन झा

हाल में उत्तराखंड की देवभूमि ऋषिकेश में भाऊराव देवरस सेवा न्यास के द्वारा निर्मित मानव सेवा विश्राम सदन के लोकार्पण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत ने सेवा को मानव का परम धर्म बताते हुए सेवा के लिए लोक-संपर्क को महत्वपूर्ण बताया है। संघ प्रमुख ने कहा है कि लोक संपर्क के बिना जनसेवा के उद्देश्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। माधव सेवा विश्राम सदन के लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में संघ प्रमुख के द्वारा व्यक्त विचार नि:संदेह समाज में संवेदनशीलता और सेवाभावना को जागृत करने की सामर्थ्य मौजूद है। उन्होंने कहा कि यह सेवा सदन सेवा और समर्पण का प्रत्यक्ष उदाहरण है। उल्लेखनीय है कि भाऊराव देवरस सेवा न्यास का गठन 1993 में किया गया था जिसके प्रथम अध्यक्ष भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व. पंडित अटल बिहारी वाजपेयी थे। स्व. श्री भाऊराव देवरस की गणना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारकों में प्रमुखता से की जाती थी। स्व.मुरलीधर दत्तात्रेय देवरस उपाख्य भाऊराव देवरस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय सरसंघचालक स्व. मधुकर दत्तात्रेय देवरस उपाख्य बाला साहेब देवरस के छोटे भाई थे। 1992 में भाऊराव देवरस के निधन के एक वर्ष बाद उनकी पुण्य स्मृति में भाऊराव देवरस सेवा न्यास का गठन किया गया था। न्यास ने विगत तीन दशकों में समाज सेवा के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय कार्य किये हैं। माधव सेवा विश्राम सदन का निर्माण कार्य दो वर्ष में पूरा हुआ है और 1.40 लाख एकड़ क्षेत्र में निर्मित इस आश्रम की लागत लगभग तीस करोड़ रुपए आई है। इस अनूठे सेवा सदन के निर्माण हेतु 150 दानदाताओं ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। इस सेवा सदन का निर्माण एम्स में इलाज हेतु आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को अत्यंत कम शुल्क पर ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराने के पुनीत उद्देश्य से किया गया है।मानव सेवा सदन के लोकार्पण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर सह कार्यवाह डा कृष्ण गोपाल, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक एवं महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी के साथ अनेक विशिष्ट विभूतियां संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ मंच पर आसीन थीं। कार्यक्रम में संघ प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत ने मानव सेवा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए आगे कहा कि सेवा से हमारे बंधुओं की स्थिति में बदलाव आता है और उन्हें अच्छे जीवन की अनुभूति होने लगती है लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि सेवा हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव लाती है और सेवा का पुण्य जीते जी हमें स्वर्गिक आनन्द की अनुभूति प्रदान करता है। सेवा करने से लोगों में संपर्क स्थापित होता है। आज़ दुनिया में जो युद्ध चलते रहते हैं उसका सबसे कारण यह है कि मन से मन का संपर्क टूट गया है। संवाद के अभाव में समाज में जो दूरियां बढ़ी हैं उन्हें लोक संग्रह के माध्यम से दूर किया जा सकता है । संघ प्रमुख ने कहा कि हमारे बीच कई समानताएं हैं। हमें उन्हें पहचानना होगा। मनुष्य के अंदर धीरे धीरे प्रस्तुत होने वाली दिव्यता की अनुभूति और अभिव्यक्ति ही सेवा है। उल्लेखनीय है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने उद्बोधनों में हमेशा सेवा के महत्व को रेखांकित किया है। मानव सेवा के अभियानों में संघ के कार्यकर्ताओं की संलग्नता सर्वविदित है। दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन होने का गौरव हासिल कर चुके राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य कर्ता मानव सेवा के हर अभियान में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। गौरतलब है कि गत वर्ष जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय सेवा भारती के तीसरे राष्ट्रीय संगम में संघ प्रमुख ने कहा था कि संघ के स्वयंसेवक स्वभावत- सेवा करते हैं। जहां भी आवश्यकता होती है? संघ के कार्यकसर्ता अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा करते हैं। संघ प्रमुख ने हमेशा कहा है कि सेवा में स्पर्धा के लिए कोई स्थान नहीं है। यह मनुष्य की सामान्य अभिव्यक्ति है। मेरे पास जो कुछ है उसमें से सबको देने के पश्चात् जो बचता है वही मेरा है। यही सेवा है।

...फिर, आप रहेंगी खुश

- यदि आप एक घंटे के लिए खुश रहना चाहती हैं तो एक झपकी ले लें।
- यदि आप एक दिन के लिए खुश रहना चाहती हैं तो पिकनिक पार्टी में सम्मिलित हो लें।
- यदि आप एक सप्ताह के लिए खुश रहना चाहती हैं तो फैमिली के साथ कहीं घूम-फिर आएं।
- यदि आप एक महीने के लिए खुश रहना चाहती हैं तो शादी कर लें।
- यदि आप एक साल के लिए खुश रहना चाहती हैं तो बड़ी जायदाद की वारिस बन जाएं।
- यदि तुम जिंदगी भर के लिए खुश रहना चाहती हैं तो अपने काम से प्यार करना सीखें।

मॉइश्चराइजर का उपयोग करना कई लोगों के लिए आम है। कुछ मामलों में, लोशन या मॉइश्चराइजिंग क्रीम का उपयोग, कोमल और स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने की इच्छा के वजह से होता है।

ऐसे इस्तेमाल करें
मॉइश्चराइजर

अन्य समय में मॉइश्चराइजर का उपयोग एक उपकरण के रूप में किया जाता है, ताकि कुछ प्रकार की त्वचा की समस्याओं को ठीक कर सके, संभवतः खुजली से राहत लाने के लिए, खरोच या सूखापन जो की चिकित्सा समस्या के साथ जुड़ा होता है, उसको कम करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। मॉइश्चराइजर को कितनी बार लगाना है, यह एक आम सवाल है, जिसका उत्तर व्यक्तिगत स्थिति के आधार पर होता है। यहां कुछ उदाहरण हैं मॉइश्चराइजर के उपयोग के आम करणों के साथ और इसे कितनी बार लगाना आवश्यक होता है।

- जो लोग त्वचा की देखभाल के मौजूदा काम के लिए स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने में संलग्न होते हैं, उनके लिए नियमित रूप से मॉइश्चराइजिंग महत्वपूर्ण होता है।
- लोशन कितनी बार लगाएं, इसके लिए ध्यान रखना पड़ता है कि त्वचा कितना प्राकृतिक तेल ग्रहण कर सकती है।
- कुछ लोग लोशन का प्रयोग नहाने के बाद त्वचा को मॉइश्चराइज करने के लिए करते हैं, ताकि जो नमी साबुन के उपयोग से हट गई है, उसे वापस लाया जा सके।
- जिन लोगों की त्वचा तेलीय होती है, उन लोगों को मॉइश्चराइजर का उपयोग हर दूसरे दिन या सप्ताह में दो बार काफी होता है, ताकि वो त्वचा में नमी की समान मात्रा बनाए रख सके।
- जब किसी प्रकार का चिकित्सा समस्या होती है, जिसकी वजह से त्वचा शुष्क हो जाती है, कम से कम दिन में एक बार मॉइश्चराइजर का उपयोग करें या कभी-कभी एक से अधिक बार ताकि किसी भी असुविधा और त्वचा को धीमी गति से क्षति को कम करने में मदद कर सके।
- जो लोग एक्जिमा से पीड़ित होते है, उन्हें बहुत खुजली होती है। खुजली की स्वाभाविक प्रवृत्ति, खरोच होती है, जो आगे त्वचा में जलन पैदा करती है और त्वचा को नुकसान पहुंचाती है।

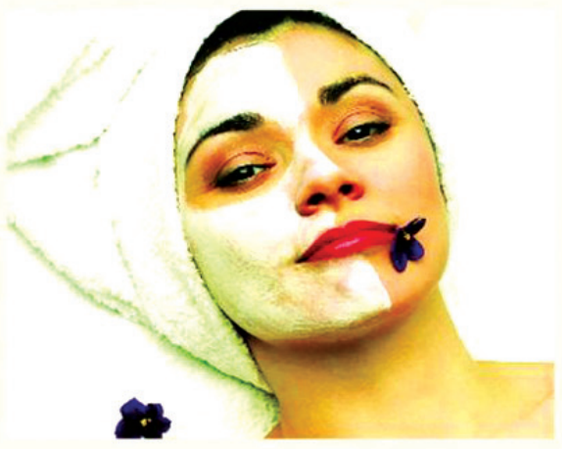

- औषधीय मॉइश्चराइजर से प्रतिदिन या दिन में दो बार मॉइश्चराइजिंग करने से खुजली काफी शांत होती है और लगातार खरोंच के नुकसान से त्वचा को बचाती है।
- समय-समय पर मॉइश्चराइजिंग क्रीम या लोशन का उपयोग करने से फायदा होता है। जो बच्चे नियमित रूप से बाहर खेलते हैं, उन्हें सनस्क्रीन लोशन लगाना चाहिए।
- हालांकि, नहाने के बाद खुशबू मुक्त लोशन की एक छोटी राशि को लगाने से युवा त्वचा को कोमल बनाने में मदद करता है और त्वचा के शुष्क होने की संभावना को कम करता है।
- आमतौर पर पुरुष मॉइश्चराइजर का उपयोग करने के बारे में नहीं सोचते हैं। हालांकि, खुशबू मुक्त मॉइश्चराइजिंग एजेंट को कोहनी, एड़ी और पैरों की गेंदों पर लगाना चाहिए, ताकि खुरदुरी शुष्क त्वचा के विकास को रोका जा सके, जो बाद के वर्षों में समस्याओं का कारण बनती है।
- नहाने के बाद थोड़ा समय निकाल कर सप्ताह में एक या दो बार लोशन लगाना काफी होता है, ताकि जो क्षेत्र शुष्क हो जाता है, उसे मजबूत और स्वस्थ त्वचा बनाये रखने में मदद करता है।
- सामान्य रूप में नहाने के बाद मॉइश्चराइजर लगाना अच्छा होता है। उस समय नहाने के लिए जो पानी का उपयोग किया गया था, उसकी छोटी राश को पकड़ कर रखता है। मॉइश्चराइजिंग प्रोडक्ट उस नमी को पकड़ने में मदद करता है।
- जब तक कि आपकी त्वचा बहुत तेलीय ना हो, मॉइश्चराइजर के दैनिक उपयोग से कोई समस्या पैदा नहीं हो सकती। हालांकि, जिन लोगों की विशेष त्वचा स्थिति होती है, उन्हें त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श करना चाहिए।

नैचुरल ग्लो

तैलीय त्वचा की खूबी है कि इस पर जल्दी झुर्रियां नहीं पड़ती हैं। और चेहरे पर हमेशा चमक बरकरार रहती है। लेकिन तैलीय त्वचा की अगर सही देखभाल न की जाए तो खुले छिद्र और मुंहासे की समस्या शुरू होते देर नहीं लगती। ऐसी त्वचा पर जल्दी कोई मेकअप भी सूट नहीं करता है। अपनी त्वचा के रंग से थोड़े हल्के रंग का फाउंडेशन चुनें। यह आपको नैचरल लुक देगा। फाउंडेशन स्टिक तेल को कम करेगी और कई घंटों तक आप फ्रेस लगेंगी। तैलीय त्वचा के लिए लिक्विड फाउंडेशन के बजाय पाउडर फाउंडेशन ज्यादा असरदायक होता है। यह त्वचा का अतिरिक्त तेल सोख लेता है और उसे त्वचा को साफ-सुथरा बनाता है।

बोल्ड एंड ब्यूटीफुल

आजकल बोल्ड एंड ब्यूटीफुल का कॉन्सेप्ट बेहद पॉपुलर है और डिजाइनर ने इसे अपने क्रिएशन में बखूबी उतारा है। ब्लैक जैसे बोल्ड रंग पर चिकन की कढ़ाई और मिरर वर्क के साथ डिजाइनर ने काफी एक्सपेरिमेंट किया है। शॉर्ट कुर्ती जैसे रेग्यूलर आउटफिट को फैंसी टाइट्स या जींस के साथ टीम करके एक अलग और आकर्षक लुक तैयार किया जा सकता है। बात एसेसरीज की करें तो बोल्ड एंड ब्यूटीफुल लुक के लिए चंकी ज्यूलरी उपयुक्त होती है। गर्ल नेक्स्ट डोर इस कलेक्शन में बाटिक प्रिंट्स और पैचवर्क को प्रमुखता से प्रयोग किया गया। रंगों के एक्सपेरिमेंट में डिजाइनर ने कलात्मकता का पूरा परिचय दिया है। चटख रंगों के साथ कंटेंपरेरी कट्स के प्रयोग वाली यह ड्रेस प्रोफेशनल और कॉलेज-गोइंग लड़कियों के लिए उपयुक्त है। ये ड्रेसेज कॉटन फैब्रिक्स से डिजाइन की गई हैं जो इन्हें पहनने में और भी ज्यादा आरामदायक बनाता है। इस तरह के कलरफुल आउटफिट्स को रात की पार्टीस में भी आराम से कैरी किया जा सकता है।

बदलते वक्त के साथ जहां पति-पत्नी के रिश्तों की नई परिभाषाएं बनी हैं, वहां सेवानिवृत्त पति को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। एक महिला का कहना था- मैं नहीं जानती मैं अपने पति के साथ कैसे व्यवहार करूं।

किसी पर बोझ न बनें
रिटायर्ड लाइफ

सेवानिवृत्त होने के बाद कुछ हफ्ते तक तो वह तनावग्रस्त रहे, बस समाचार-पत्र पढ़ने, टीवी देखने आदि में व्यस्त रहे, लेकिन फिर उन्होंने किसी कंपनी के अध्यक्ष की तरह व्यवहार करना शुरू कर दिया और घर को चलाने का सारा काम अपने हाथ में ले लिया। मैं सचमुच घर में उनके काम करने के ढंग को लेकर तंग आ गई हूं।

आम समस्या बन रही आदत

यह समस्या सिर्फ एक महिला की नहीं है। प्रायः हर उस महिला की है, जिसका पति नौकरी से सेवानिवृत्त होता है। अंतर केवल उसके काम की प्रकृति का होता है। बाबू के पद से सेवानिवृत्त है तो कोई अफसर के पद से। साथियों के पास उसका व्यवहार कैसा रहा है। यह भी बहुत बाद यह सब कुछ उसके व्यक्तित्व में समा जाता है। घर की समस्याओं को भी वह दफ्तर की समस्याओं की तरह ही निपटाने लगता है। अपने अधीनस्थों के साथ उसका संवेदनशील व्यवहार घर के सदस्यों के साथ भी दिखाई देने लगता है।

अपनी चलाने की कोशिश

समस्या उस समय और भी बढ़ जाती है, जब पति और पत्नी दोनों उच्च पदों से सेवानिवृत्त हुए हों। दफ्तर की तरह घर में भी सब कुछ पति की मर्जी के अनुसार हो ऐसा संभव नहीं। बड़ा साहब होने के कारण दफ्तर में सभी लोग उनके अनुसार चलते थे, लेकिन घर में अगर वह चाहते हैं कि शांति रहे तो उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों के साथ समझौता करना होगा।

बच्चों को समझना होगा

बच्चों के अपने कर्त्तव्य होते हैं। उनका फर्ज है बूढ़े मां बाप की देखभाल करना। दूसरी तरफ मां-बाप को भी उन्हें और उनकी समस्याओं को समझना होगा। आज के समय में किसी को ग्रांटिड नहीं लिया जा सकता। पत्नी को भी नहीं, हर एक व्यक्ति को अपने लिए थोड़ी जगह चाहिए। कुछ समय वह अपने लिए और अपने साथ भी बिताना चाहता है। अगर यह बात पुरुष को समझ आ जाए तो घर में अशांति पांव नहीं रख सकतीं। अच्छा यही होगा कि अगर हमारी सेहत अच्छी है।

काम का चुनाव कर लें

रिटायर होने के बाद हमारे अंदर काम करने की क्षमता है तो हम रिटायर होने से पहले अपने लिए काम का चुनाव कर लें, ताकि न खुद परेशान हों न घरवाले। अब मैं रहकर घर के हर काम में टीका टिप्पणी करना किसी को भी नहीं सुहाएगा। सच तो यह है कि न तो घरवालों को 24 घंटे आपका चेहरा देखने की आदत होती है और आपको उनका चेहरा देखने की हर समय की नोक-झोंक घर के वातावरण को खराब कर देती है।

पीढ़ी का अंतर समझें

आखिर पीढ़ी का अंतर भी तो होता है। कहते हैं शादी का सुख जवानी से अधिक बुढ़ापे में होता है, जवानी तो मौजमस्ती में निकल जाती है, लेकिन बुढ़ापे में जब बच्चे अपने-अपने बसेरे बना लेते हैं, तब पति-पत्नी ही एक दूसरे के मित्र और साथी होते हैं और हर तरह का सुख-दुख बांटते हैं। बच्चों से जो शिकायतें होती हैं, वे भी बच्चों की बजाय एक दूसरे से कहकर मन हल्का कर लेते हैं। यह तभी संभव है, जब वे एक दूसरे को समझते हों। रिटायर तो सबको एक दिन होना ही होता है। पत्नी ने सारा जीवन पति की इच्छानुसार जिया, रिटायरमेंट के बाद पति अगर पत्नी की इच्छानुसार जीकर जीवन में नया रंग, नया रूप और नई उमंग भर सकता है, कोशिश तो की ही जा सकती है।

टीन्स का फैशन फिवर

गर्मी में सभी अपना ड्रेसिंग स्टाइल चेंज कर लेते हैं। समर में क्लाथ, वर्क और कलर में भी बदलाव आ जाता है। इसमें टीन एजर्स कैसे पीछे रह सकते हैं। उनके लिए ट्रेंडी के साथ कूल-लुक वाले ड्रेसेस बेहतरीन ऑप्शन है, जो न केवल फैशन में अपडेट रखते हैं, बल्कि जरा हटके दिखने की चाह को भी पूरा करते हैं।

ट्रैंडी कलर्स

गर्मी के मौसम में हल्के रंगों की ड्रेस की मांग बढ़ जाती है। ये ड्रेस सूर्य की रोशनी को रिफ्लेक्ट करते हैं। इससे शरीर को ठंडक मिलती है। पैस्टल कलर जैसे कैंडी पिंक, पर्पल, लाइट फिरोजी, येलो कलर ऑफ व्हाइट, व्हाइट, पिस्ता, सी ग्रीन 2011 के समर सीजन के ट्रैंडी कलर्स हैं।

बेबी डॉल ड्रेसेस

गर्ल्स इस सीजन में बेबी डॉल ड्रेसेस पहन सकती हैं। एलाइन या स्ट्रेट के साथ फ्लोरल प्रिंट, एम्पायर बेस लाइन से सजी बेबी डॉल ड्रेसेस पर्सनैलिटी को आकर्षक बनाती है। ऐसी ड्रेसेस की लंबाई घुटनों तक होती है। यदि इसे लेगिंग्स या जीन्स के ऊपर डालें तो यह स्मार्ट लुक देगा। इसमें फ्रंट कट, बैक कट, ओपन नेक, कट स्लीव, वेस्ट लाइन फिटेट, बैक पोर्शन ओपन जैसे बदलाव लाकर इसमें वेरिएशन्स ला सकती हैं।

ट्यूनिक्स

एम्ब्रायडरी वाले बैलून शेप ट्यूनिक्स का लड़कियों के बीच खूब क्रेज रहता है। इसे लैगिंग्स या शार्ट्स के साथ पहना जाता है। प्रिंटेड लैगिंग्स

आजकल फैशन में इन हैं। जीन्स और ट्यूनिक्स का मैच भी स्मार्ट लुक देता है।

टाइ एंड डाई

यह डाई करने की ऐसी टेक्निक है, जिसमें कपड़े पर डाई से ग्राउंड या पैटर्न बनाया जाता है। इसके ट्यूनिक्स या टॉप आजकल फैशन में हैं। टाई एंड डाई के कलीदार कुर्ते के साथ लाइक्रा का चूड़ीदार पायजामा खूब फबता है। यदि इसके साथ यूनिक स्टाइल आजमाना हो, तो नेट वाला स्टोल डाल सकते हैं।

शेप्ड फिगर से मिलती है खुशी

कहते है अगर किसी महिला को आकर्षित करना हो तो उसकी तारीफ करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि एक महिला को सबसे ज्यादा खुशी मिलती है अपने शेप्ड फिगर को देखकर या उसकी प्रशंसा सुनकर। एक अध्ययन के मुताबिक अपने प्यार से ज्यादा खुशी महिला को अपनी छरहरी काया को देखकर मिलती है।

मोटा होना है दुखदाई

दूसरी तरफ मोटा होना एकाकी जीवन जीने से कहीं ज्यादा दुखदाई होता है। इतना ही नहीं, पतले होने से रिश्ते में ज्यादा संतोष का अनुभव होता है। विशेषज्ञों के अनुसार अधिक वजनदार होने से जुड़ी पीड़ा इतनी बड़ी हो चुकी है कि यह करीब-करीब जीवन के हर पक्ष को प्रभावित कर रही है। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. गगनदीप कौर कहती हैं, मोटापे से जितनी शारीरिक समस्याएं होती हैं, उतनी ही मानसिक समस्याएं भी होती जाती हैं। स्त्रियों के लिए खासतौर पर मोटापा मानसिक प्रभाव डालने वाला होता है।

उत्तम है घरेलू जीवन

सन् 1984 से 2008 के बीच 24 साल तक हजारों जर्मन लोगों के जीवन का अध्ययन किया गया और पाया गया कि अच्छा घरेलू जीवन एक चमकदार कैरियर से कहीं ज्यादा बेहतर होता है। इस अध्ययन से संबद्ध मनोचिकित्सक का कहना है कि, 'मैंने बहुत सी मोटी महिलाओं के साथ काम करने के बाद पाया कि उनके दिमाग में अधिक वजन की चिंता हरदम बनी रहती है। इसकी वजह यह है कि आज हम ऐसे समाज में रह रहे हैं, जो अपने नैन-नक्श, आकार-प्रकार और आकर्षण को निरंतर निखारने में लगा हुआ है। मोटे लोगों पर अकसर टिप्पणी होती है कि यह मूर्ख और सुस्त है, जिसे अपनी जरा भी परवाह नहीं है। अध्ययन में बताया गया कि सामाजिक होना और कसरत करना जीवन में संतोष प्रदान करता है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि कम काम करना, अधिक काम करने की तुलना में ज्यादा दुख पहुंचाता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सुप्रीम कोर्ट में होगी हाथरस भगदड़ मामले की सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाथरस भगदड़ मामले की जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई की तारीख दे दी है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बताया कि उन्होंने सोमवार को याचिका को सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए। बता दें कि उत्तर प्रदेश के हाथरस में दो जुलाई को भोले बाबा के सत्संग में भगड़द मच गई, जिसमें 121 लोगों की मौत हो गई। भगदड़ की जांच के लिए शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति की नियुक्ति की मांग की गई है। वकील विशाल तिवारी ने कहा, हमने हाथरस भगदड़ की घटना पर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पारित कर दिया। वह इस मामले को सूचीबद्ध करने को तैयार हैं। जल्द ही इसपर सुनवाई होगी। हमने मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञों का पैनल गठित करने की मांग की है। सरकार को घटना की स्टेटस रिपोर्ट भी तलब करनी चाहिए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कठुआ हमले की निंदा की

नईदिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सेना के जवानों पर हुए हमले की निंदा की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट लिखा है और इस हमले को कायरतापूर्ण कृत्य बताया है। उन्होंने इस हमले की निंदा की है और लिखा है कि इसके खिलाफ जवाबी कदम उठाए जाने चाहिए। राष्ट्रपति ने अपने पोस्ट में लिखा है कि मेरी संवेदनाएं उन वीर जवानों के परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति आतंकवाद के खिलाफ चल रहे सभी प्रकार के युद्ध में दी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना भी की है। कठुआ में सेना के गश्ती दल पर किए गए हमले में पांच जवान शहीद हुए हैं। सेना के जवानों पर हुए हमले के बाद आतंकवादियों को पकड़ने के लिए मंगलवार को सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। सूत्रों के अनुसार इस तलाशी अभियान में जमीनी खोज दल हेलीकॉप्टर और यूएवी निगरानी को शामिल किया गया है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा की चार सीटों पर उपचुनाव आज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की चार विधानसभा सीटों पर 10 जुलाई को उपचुनाव होना है। मानिकतला, रायगंज, राणाघाट दक्षिण और बागदा विधानसभा सीट के लिए वोट डाले जायेंगे। चार सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव में 34 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। तृणमूल कांग्रेस ने मतुआ बहुल बागदा विधानसभा क्षेत्र से मतुआ ठाकुरबाड़ी की सदस्य मधुपर्णा ठाकुर को मैदान में उतारा है। कोलकाता के मानिकतला विधानसभा क्षेत्र से पार्टी ने दिवंगत तृणमूल विधायक व मंत्री साधन पांडे की पत्नी सुप्ति पांडे को मैदान में उतारा है। भाजपा ने मानिकतला विधानसभा क्षेत्र से अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे, रायगंज से मानस कुमार घोष, राणाघाट दक्षिण से मनोज कुमार विश्वास और बागदा से बिनय कुमार विश्वास को मैदान में उतारा है। वहीं, रायगंज सीट से कृष्ण कल्याणी तृणमूल के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। मुकुट मणि अधिकारी को तृणमूल ने राणाघाट से उम्मीदवार बनाया है।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले शरद पवार की एनसीपी को बड़ी राहत

नईदिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले, भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी - शरदचंद्र पवार को जनता से स्वैच्छिक योगदान स्वीकार करने के लिए अस्थायी रूप से अधिकृत किया है क्योंकि उसने इसे लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत पंजीकृत किया है। एक अंतरिम आधार. इस कदम से एनसीपी (एसपी) को आयकर छूट के लिए दानदाताओं को प्रमाणपत्र जारी करने की अनुमति मिल जाएगी। एनसीपी (एसपी) को अब ?20,000 से अधिक के सभी दान की योगदान रिपोर्ट ईसीआई को जमा करनी होगी।ईसीआई ने एनसीपी (एसपी) को लिखा कि आपके दिनांक 27.03.2024 और 04.04.2024 के पत्रों पर विचार करने के बाद, ईसीआई अंतरिम आधार पर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी- शरदचंद्र पवार को किसी भी व्यक्ति या कंपनी द्वारा स्वेच्छा से पेश की गई किसी भी राशि को स्वीकार करने के लिए अधिकृत करता है।

स्टालिन ने तीन नए कानून की समीक्षा के लिए बनाई कमेटी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तीन आपराधिक कानूनों में किए जाने वाले राज्य स्तरीय संशोधनों का अध्ययन करने और सिफारिश करने के लिए सेवानिवृत्त मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एम सत्यनारायणन के नेतृत्व में एक सदस्यीय समिति का गठन किया है, जिसमें हिंदी में कानूनों के नाम में बदलाव भी शामिल होगा। एक सदस्यीय समिति एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी और अधिवक्ता संघों और अन्य हितधारकों के साथ भी परामर्श करेगी। विशेष रूप से, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम सहित तीन कानून, जिन्होंने भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली, 1 जुलाई को लागू हुए। इस समिति के गठन का निर्णय सोमवार को सीएम स्टालिन द्वारा केंद्रीय कानूनों में राज्य संशोधनों पर विचार-विमर्श के लिए सचिवालय में एक उच्च स्तरीय सलाहकार बैठक की अध्यक्षता करने के बाद किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने रूस में भारतीय समुदाय को गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

मॉस्को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिलहाल रूस दौरे पर हैं। मंगलवार को वह मॉस्को में भारतीय समुदाय के लोगों से मिले। यहां उन्होंने एक कार्यक्रम को भी संबोधित किया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस के संबंधों पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही वहां मौजूद लोगों से मोदी सरकार की उपलब्धियों पर भी बात की।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, मैं अपने साथ हिंदुस्तान की मिट्टी की महक लेकर आया हूं। मैं अपने साथ 140 करोड़ हिंदुस्तानियों का प्यार लेकर आया हूं। ये बहुत सुखद है कि तीसरी बार सरकार में आने के बाद भारतीय समुदाय से मेरा पहला संवाद यहां मॉस्को में आपके साथ हो रहा है। (हमारा नेता कैसा हो, मोदीजी जैसा हो के नारे लगे।) आज वैसे 9 जुलाई है। आज मुझे शपथ लिए पूरा एक महीना हुआ है। आज से ठीक एक महीने पहले नौ जून को मैंने तीसरी बार भारत के पीएम पद की शपथ ली थी और उसी दिन मैंने एक प्रण लिया था। मैंने प्रण किया था कि अपने तीसरे कार्यकाल में मैं तीन गुना ताकत से काम करुंगा।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि ये भी एक संयोग है कि सरकार के कई लक्ष्यों में भी तीन का अंक छाया हुआ है। सरकार का लक्ष्य है तीसरे टर्म में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना। सरकार का लक्ष्य है तीसरे कार्यकाल में गरीबों के लिए तीन करोड़ आवास बनाना। सरकार का लक्ष्य है तीसरे कार्यकाल में तीन करोड़ लखपति दीदी बनाना। ये लक्ष्य देखने में बड़े लग सकते हैं। लेकिन आप लोगों के होते ये छोटे लगने लगते हैं। आज का भारत जो लक्ष्य ठान लेता है, उन्हें पूरा कर के ही रहता है। आज भारत वो देश है जो चंद्रयान को चंद्रमा पर वहां पहुंचाता है, जहां दुनिया का कोई देश नहीं पहुंचा है। आज भारत वो देश है, जो डिजिटल ट्रांजेक्शन का सबसे बेहतरीन मॉडल दुनिया को दे रहा है। आज भारत वो देश है, जो सोशल सेक्टर की बेहतरीन नीतियों से अपने नागरिकों का सशक्तीकरण कर रहा है। आज भारत वो देश है, जहां दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप ईकोसिस्टम है।

दुनिया कहती है भारत बदल रहा है

जब भारत जी20 का आयोजन करता है, तो दुनिया एक स्वर में बोलती है कि- अरे भारत तो बदल रहा है। पीएम मोदी ने कहा, जब 10 साल में भारत अपने एयरपोर्ट की संख्या को बढ़ाकर दोगुना कर देती है, तब दुनिया कहती है कि भारत बदल रहा है। जब भारत सरकार 40 हजार किमी से ज्यादा रेल लाइन का विद्युतीकरण कर देता है तो दुनिया को भी भारत की ताकत का अहसास होता है। उन्हें लगता है देश बदल रहा है। आज जब भारत डिजिटल पेमेंट का रिकॉर्ड बना रहा है। आज जब भारत एल1 पॉइंट से सूरज की परिक्रमा पूरी करता है। आज जब भारत दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बनाता है। आज जब सबसे ऊंचा स्टैच्यू बनाता है, तब दुनिया कहती है भारत बदल रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि और भारत कैसे बदल रहा है- भारत बदल रहा है, क्योंकि भारत अपने 140 करोड़ नागरिकों के सामर्थ्य का भरोसा करता है। (भारत माता की जय के नारे लगे) विश्व भर में फैले हुए भारतीयों के सामर्थ्य पर भरोसा करता है। भारत बदल रहा है क्योंकि 140 करोड़ भारतीय अब भारत को विकसित देश बनाने का सपना संकल्प लेकर पूरा कर रहा है। हिंदुस्तान पूरी मेहनत कर रहा। उन्होंने बताया कि भारत आज वैश्विक अर्थव्यवस्था में 15 फीसदी का योगदान दे रहा है और यह योगदान लगातार बढ़ता जा रहा है। भारत का वैश्विक योगदान आगे भी बढ़ता रहेगा और मेरे तो डीएनए में है चुनौती को चुनौती देना।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस में अपने दौरे के बीच पहली बार यूक्रेन युद्ध पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि वारजोन होने के बावजूद भारतीय छात्रों को उस जगह से निकालने में मदद की, जहां सभी बुरी तरह फंसे हुए थे। हालांकि, इस मुलाकात को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा आपका स्वागत करके बहुत खुश है। इसके साथ रूस के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी के साथ एक राइड भी ली। फिलहाल आज के इंडियन डायसपोरा प्रोग्राम में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रूस के कजान और येकातेरिनबर्ग में दूतावास खुलने जा रहे हैं।

शीर्ष सूत्रों ने मंगलवार को कहा कि रूस ने मोटे तौर पर रूसी सेना में सहायक कर्मचारियों के रूप में भारतीयों की भर्ती को समाप्त करने और बल में काम कर रहे लोगों की वापसी सुनिश्चित करने के भारत के आह्वान पर ध्यान दिया है। इसके साथ वहां पर काम कर रहे भारतीयों से कहा कि हर भारतीय भारत को बदलने में अहम योगदान दे रहा है। एनआरआई अब गर्व के साथ भारत की उपलब्धि के बारे में बता सकते हैं। इसके साथ पीएम मोदी ने कहा कि आप की दुआ से भारत हर मुश्किल से उबर सकता है।

आज भारत वह देश है जिसने चंद्रमा के उस हिस्से पर चंद्रयान भेजा, जहां कोई दूसरा देश नहीं पहुंच सका। भारत वह देश है जो दुनिया को डिजिटल लेनदेन का सबसे विश्वसनीय मॉडल दे रहा है। आज भारत वह देश है, जो सामाजिक क्षेत्र की उत्कृष्ट नीतियों के माध्यम से अपने नागरिकों को सशक्त बना रहा है।

पीएम ने चुनाव को लेकर भी की बात

इस चुनाव से पहले चार और राज्यों में चुनाव हुए। सिक्किम, अरुणाचल, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में भी चुनाव हुए। इन राज्यों में भाजपा ने क्लीन स्वीप किया। पीएम मोदी ने कहा, ओडिशा ने तो बहुत बड़ी क्रांति की। इसीलिए मैं आज आपके बीच उड़िया स्कार्फ पहनकर आया हूं। आप सब पर प्रभु जगन्नाथ का आशीर्वाद बना रहे।

इंडिया गठबंधन में मतभेद! हार के बाद कांग्रेस ने आप पर फोड़ा ठीकरा

नईदिल्ली। दिल्ली में लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस में अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है। कांग्रेस अध्यक्ष को एक समिति द्वारा सौंपी गई एक रिपोर्ट से पता चलता है कि पार्टी के उम्मीदवार अपनी चुनावी हार के लिए आम आदमी पार्टी (आप) को जिम्मेदार मानते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने आगामी दिल्ली और हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए आप के साथ गठबंधन नहीं करने का फैसला किया है। कांग्रेस के तीन उम्मीदवारों- उदित राज, जेपी अग्रवाल और कन्हैया कुमार- ने दावा किया कि आप ने उनके अभियानों का समर्थन नहीं किया या उनके पक्ष में वोट ट्रांसफर नहीं

होने दिया।

इन उम्मीदवारों ने समिति को बताया कि उन्हें उम्मीद थी कि आप का समर्थन उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण होगा। कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि आप ने फरवरी में अपने उम्मीदवारों की घोषणा की और प्रचार शुरू कर दिया। हमने मार्च तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने पार्टी कार्यकर्ताओं से हमारे लिए प्रचार करने को कहा, इसके बावजूद उन्होंने ऐसा नहीं किया। मुझे लगता है कि उनकी राय थी कि लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद 10 महीने से भी कम समय में दिल्ली विधानसभा चुनाव है। कांग्रेस के लिए वोट मांगने से दिल्ली विधानसभा चुनाव में उनकी संभावनाएं कम हो जाएंगी। सिर्फ आप ही नहीं, कांग्रेस के भीतर भी कुछ स्थानीय नेता अपने ही उम्मीदवार के खिलाफ थे। उन्होंने मेरी छवि खराब कर दी, जिसके कारण मुझे एक सीट गंवानी पड़ी, जिसे जीतने का मेरे पास मौका था। हालाँकि, समिति की टिप्पणियाँ कांग्रेस खेमे में एक गहरे मुद्दे का संकेत देती हैं। यह नोट किया गया कि आप के समर्थन पर उम्मीदवारों की निर्भरता ने कांग्रेस कैडर को अलग कर दिया। कथित तौर पर पार्टी कार्यकर्ता इससे नाखुश थे कि आप उनकी सफलता सुनिश्चित करेगी, जिससे अभियान के प्रयासों में उत्साह और भागीदारी की कमी हो गई। ऐसा माना जा सकता है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के इस असंतोष ने चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन पर काफी प्रभाव डाला है। आप के समर्थन पर अत्यधिक निर्भरता न केवल वांछित परिणाम देने में विफल रही, बल्कि पार्टी के भीतर दरार भी पैदा हुई, जिससे चुनाव में उनकी संभावनाएं कम हो गईं।

आतंकी हमलों पर कठोर कार्रवाई करनी होगी खोखले भाषणों से काम नहीं होगा: राहुल

नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को जम्मू कश्मीर में सैनिकों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की और कहा कि आतंकवादी हमलों पर अब खोखले भाषण और झूठे वादों से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, जम्मू-कश्मीर के कठुआ में भारतीय सेना के वाहन पर हुए आतंकी हमले का समाचार अत्यंत दुखद है।

उन्होंने कहा, मातृभूमि के लिए अपना सर्वोच्च न्योछावर करने वाले शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों को अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। घायल जवानों के शीघ्र से शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उनका कहना है, हमारी सेना पर ये कायरतापूर्ण हमले अत्यधिक निंदनीय हैं। एक महीने के अंदर पांचवा आतंकी हमला देश की सुरक्षा और हमारे जवानों के जीवन पर भयंकर आघात है। उन्होंने कहा कि लगातार हो रहे आतंकी हमलों का हल कठोर कार्रवाई से होगा, न कि खोखले भाषणों और झूठे वादों से। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, इस दुख की घड़ी में हम मजबूती से देश के साथ खड़े हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीसरा टी20 मैच आज

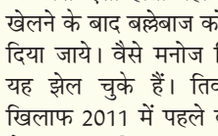

हरारे। भारत और जिम्बाब्वे के बीच 5 मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। तीसरा मैच आज शाम शाम 4.30 बजे से खेला जाएगा। भारतीय टीम में विश्व चैंपियन खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन और शिवम दुबे की वापसी हो रही है। मेन इन ब्लू को पहले मैच में 13 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था। दूसरे मैच टीम इंडिया ने पलटवार किया और 100 रन से जीत दर्ज की। अभिषेक शर्मा ने 46 गेंदों में शतकीय पारी खेलकर सुर्खियां बटोरीं।

टी20 विश्व कप विजेता खिलाड़ियों की वापसी के साथ जिम्बाब्वे के खिलाफ बुधवार को तीसरे टी20 मैच में भारतीय टीम के लिये यशस्वी जायसवाल और अभिषेक शर्मा में से एक का चयन काफी मुश्किल होगा। जायसवाल, संजू सैमसन और शिवम दुबे टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा थे। उनकी वापसी से टीम मजबूत हुई है जिसने दूसरे मैच में 100 रन से जीत दर्ज करके सीरीज में वापसी की थी।

बायें हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने दूसरे मैच में 46 गेंद में शतक लगाया। वैसे भारत की पहली पसंद की टी20 टीम में रिजर्व सलामी बल्लेबाज होने के कारण जायसवाल का शुभमन गिल के साथ पारी की शुरुआत का दावा पुख्ता लगता है। जायसवाल ने 17 टी20 मैचों में एक शतक और चार अर्धशतकों के साथ 161 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं।

वैसे ऐसा होता नहीं है कि एक यादगार पारी खेलने के बाद बल्लेबाज को अगले मैच में बाहर कर दिया जाये। वैसे मनोज तिवारी और करुण नायर यह झेल चुके हैं। तिवारी को वेस्टइंडीज के खिलाफ 2011 में पहले वनडे शतक के बाद टीम से बाहर कर दिया गया था, जबकि नायर 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में तिहरा शतक लगाने के बाद टीम में जगह नहीं पा सके थे।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 391 अंक चढ़कर 80,352 के शिखर पर पहुंचा

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में लगातार दो दिन की सुस्ती के बाद मंगलवार को एक बार फिर से तेजी लौट आई। ऑटो और स्वस्थ्य शेयरों में बढ़त और विदेशी निवेश के फ्लो के कारण इक्विटी बेंचमार्क सूचकांकों ने मंगलवार को लगातार बढ़त बनाई और रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब पहुंच गए। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 391.26 अंक यानी 0.49 फीसदी की बढ़त के साथ 80,351.64 अंक के नए क्लोजिंग हाई पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 436.79 अंक या 0.54 प्रतिशत उछलकर 80,397.17 अंक के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 112.65 अंक यानी 0.46 फीसदी की बढ़त देखी गई। निफ्टी दिन के अंत में 24,433.20 अंक के नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 24,331.90 और 24,443.60 के रेंज में कारोबार हुआ।

टाटा एमएफ ने भारत का पहला टूरिज्म इंडेक्स फंड लॉन्च किया

नईदिल्ली। भारत में सफर करने वाले लोगों की संख्या नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है, जो बढ़ते मध्यम वर्ग और एक्सप्लोरेशन को लेकर लोगों की बढ़ती इच्छा की वजह से प्रेरित है। इस रोमांचक ट्रेंड का फायदा उठाने के लिए, टाटा एसेट मैनेजमेंट ने भारत का पहला टूरिज्म इंडेक्स फंड ङ्क टाटा निफ्टी इंडिया टूरिज्म इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह फंड निफ्टी इंडिया टूरिज्म इंडेक्स को ट्रैक करेगा। निफ्टी इंडिया टूरिज्म इंडेक्स एक स्टॉक मार्केट इंडेक्स है जो विशेष रूप से भारतीय पर्यटन क्षेत्र की कंपनियों पर फोकस्ड है। वर्तमान में इसमें 17 कंपनियां (21 जून 2024 तक) शामिल हैं, लेकिन यह व्यापक निफ्टी 500 इंडेक्स से चुनी गई 30 कंपनियों तक हो सकती है। इंडेक्स अलग-अलग तरह के सेगमेंट का अच्छा प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें सिलेक्शन क्राइटेरिया भी स्ट्रिक्ट हैं।

बढ़ गईं एसबीआई होम लोन की ब्याज दरें

नईदिल्ली। अगर देश के सबसे बड़े कर्जदाता बैंक एसबीआई से होम लोन लेकर घर बनाना चाहते हैं, तो आपको जान लेना चाहिए कि इस बैंक ने होम लोन की ब्याज दर में इजाफा कर दिया है। एसबीआई होम लोन 15 जून 2024 से महंगा हो गया है। एसबीआई के मार्जिनल कॉस्ट ऑफ़ लेंडिंग रेट्स में करीब 10 बेसिस पॉइंट या 0.1% का इजाफा किया गया है। जिसके चलते एमसीएआर से जुड़े सभी प्रकार के लोन की ईएमआई में बढ़ोतरी हो जाएगी। जिसके कारण अब आपको हर महीने लोन पर पहले से ज्यादा ईएमआई चुकाना होगा। एसबीआई की इस बढ़ोतरी के साथ 1 साल का एमसीएलआर 8.65% से बढ़कर 8.75% हो गया है। वही ओवरनाइट एमसीएआर 8% से बढ़कर 8.10% हो गया। एक महीने और 3 महीने का एमसीएलआर बढ़कर 8.20% से 8.30% हो गया है। वहीं अगर 6 महीने की अवधि को देखें तो एमसीएलआर 8.55% से बढ़कर 8.65% हो गया है।

डेकाथलॉन को पटखनी देने की तैयारी में रिलायंस रिटेल

नई दिल्ली। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी फ्रांस की दिग्गज रिटेलर डेकाथलॉन को पटखनी देने की तैयारी में हैं। उनकी कंपनी रिलायंस रिटेल एक स्पोर्ट्स फॉर्मेट लॉन्च करने की योजना बना रही है, जो सीधे फ्रांसीसी रिटेलर डेकाथलॉन के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। कोविड-19 महामारी के बाद स्पोर्ट्स के जुड़े प्रॉडक्ट्स में काफी उछाल आई है। सूत्रों के मुताबिक रिलायंस रिटेल नए ब्रांड के लिए बड़े शहरों में मॉल और हाई स्ट्रीट में 8,000-10,000 वर्ग फुट जगह पट्टे पर लेने के लिए बातचीत कर रही है। कंपनी ने अब तक इस ब्रांड के नाम का खुलासा नहीं किया है। एक सूत्र ने कहा कि पिछले कुछ सालों में रिलायंस रिटेल ने बहुत विस्तार किया है लेकिन उसके पोर्टफोलियो में स्पोर्ट्स शामिल नहीं है। देश में इस कैटगरी में एक रिटेलर की भी आवश्यकता है जो ग्लोबल कंपनियों का मुकाबला कर सके।

आगामी पांच वर्षों में भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण हो सकता है दोगुना

प्रह्लाद सबनानी

पूरे विश्व में विभिन्न देशों के शेयर (पूंजी) बाजार में निवेश करने के सम्बंध में विदेशी निवेशक संस्थानों को सलाह देने वाले एक बड़े संस्थान मोर्गन स्टैनली ने हाल ही में अनुमान लगाया है कि बहुत सम्भव है कि भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे आने वाले 5 वर्षों में दुगना हो जाए।

आज खुदरा निवेशक, देशी संस्थागत निवेशक, म्यूचूअल फंड, आदि द्वारा भारतीय शेयर बाजार में औसतन लगभग 1500 करोड़ रुपए के शेयरों की रोजाना खरीद हो रही है अर्थात प्रतिदिन 1500 करोड़ रुपए भारतीय शेयर बाजार में डाले जा रहे हैं, जिसके चलते ही विदेशी निवेशक संस्थानों द्वारा भारतीय शेयर बाजार में शेयर बेचे जाने के बावजूद भारतीय शेयर बाजार पर कुछ बहुत बड़ा असर होता दिखाई नहीं दे रहा है अर्थात अब भारतीय निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार को अपने दम पर सम्हाल लिया है। अब, जब भारत में कई कम्पनियां अपनी विस्तार योजनाओं को लागू करने जा रही हैं अत: इन कम्पनियों के द्वारा नए शेयर, बाजार में जारी किए जाएंगे, जिन्हें खरीदने के लिए विदेशी संस्थागत निवेशक भी अब से लगभग 6 माह बाद भारत में अपना निवेश वापिस लाएंगे।

वर्ष 1993 से वर्ष 2013 तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लगातार खरीद कर रहे थे और देशी संस्थागत निवेशक लगातार बेच रहे थे। वर्ष 2014 के बाद से यह सब बदलने लगा क्योंकि 2015 में पहली बार केंद्र सरकार ने प्रॉविडेंट फंड को शेयर बाजार में निवेश की अनुमति दी थी। इसी प्रकार की अनुमति 401च योजना के अंतर्गत अमेरिका ने अपने प्रॉविडेंट फंड संस्थानों को वर्ष 1980 में दी थी। इसके बाद अमेरिकी शेयर बाजार में उच्छाल देखने को

मिला था। अमेरिका में आज संस्थागत निवेशकों का लगभग 40 प्रतिशत भाग शेयर बाजार में निवेश रहता है जबकि भारत में यह अभी भी बहुत कम अर्थात लगभग 8 प्रतिशत ही है, इस प्रकार भारत को अभी तो बहुत आगे जाना है।

भारत में पिछले वर्ष घरेलू बचत 70,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास थी, उसमें से केवल 5,000 से 6,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर ही शेयर बाजार में निवेश किया गया था, को कुल घरेलू बचत का 10 प्रतिशत से भी कम है। 5,000 से 6,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सोने में निवेश होता है एवं लगभग 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का प्रॉपर्टी में निवेश होता है। इस प्रकार, भारत में शेयर बाजार में निवेश बढ़ाने की बहुत अधिक गुंजाइश मौजूद है। साथ भी अब वैश्विक स्तर पर भी यह सिद्ध हो चुका है कि सामान्यत: शेयर बाजार में सबसे अधिक रिटर्न मिलता है, अत: भारत के शेयर बाजार में निवेश आगे आने वाले समय में तेजी से बढ़ने वाला है। यदि भारत में कुल बचत का 10 प्रतिशत से आगे बढ़कर 15 प्रतिशत निवेश शेयर बाजार में होने लगे तो केवल देशी निवेशकों का निवेश ही बढ़कर 7,500 से 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा। पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्थिरता (मैक्रो स्टेबिलिटी) पर बहुत ध्यान दिया है। इससे मुद्रा स्फीति की दर में होने वाला उतार चढ़ाव नियंत्रण में रहा है और अब यह सबसे न्यूनतम स्तर पर आ गया है। 70-75 वर्षों में ऐसी स्थिरता देखी नहीं गई है। इसके कारण शेयर बाजार में, रुपए की बाजार कीमत में एवं बांड मार्केट आदि में सब जगह उतार चढ़ाव थम गया है और इन सभी क्षेत्रों में स्थिरता आ गई है। पिछले 10 वर्षों में भारत में बहुत अधिक आर्थिक सुधार कार्यक्रम भी लागू किए गए हैं। अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्थिरता के आने से अब हम सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर का सही तरीके से अनुमान लगा सकते हैं, जिसके चलते हमारी आय और व्यय के अनुमान भी लगभग सही स्तर पर हो पा रहे हैं। इससे, विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है और विदेशी निवेशक भी भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

क्रमश: ...

वित्त मंत्री चौधरी ने बरमकेला अस्पताल में 10 बिस्तर आइसोलेशन वार्ड का किया लोकार्पण

वित्त मंत्री ने ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट निर्माण का किया भूमिपूजन

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी ने बरमकेला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 87 लाख रुपए की लागत से निर्मित 10 बिस्तर आइसोलेशन वार्ड का उद्घाटन तथा 50 लाख रूपए की लागत से ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया, जिससे अंचल में खुशी का माहौल है।

वित्त मंत्री ने अस्पताल व्यवस्था के साथ आर.एन.एम, पैथोलॉजी एवं अस्पताल परिसर का अवलोकन किया। आर.एन.एम पहुंचकर वहां की महिलाओं से खाना पीना और स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी ली। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार काम कर रही है। हमारी सरकार किस तरह से मोदी की गारंटी को पूरा कर रही है। उसे आप लोगों ने बहुत अच्छे तरीके से देखा है। राज्य सरकार ने 25 दिसंबर की तारीख को श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी की जयंती पर किसानों को 3 साल का बोनस प्रदान करने का निर्णय कैबिनेट की पहली बैठक में ही ले लिया। लंबित 18 लाख गरीबों का पीएम आवास का निर्माण सीएम विष्णु देव साय के नेतृत्व की सरकार में किया जा रहा है। लोकसभा आचार संहिता के पूर्व किसानों को 3100 रुपए के दर से धान खरीदी की। इससे छत्तीसगढ़ के किसानों के ग्रामीणों के आर्थिक स्थिति किस तरह से समृद्ध हुई है उसे आप सब लोग महसूस कर रहे हैं। सभी किसान को इस योजना का बहुत बड़ा लाभ मिला है और उसे छत्तीसगढ़ की ग्रामीण व्यवस्था को मजबूत करने में बहुत मदद मिली है। पूरे देश भर में महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख से अधिक माता बहनों को प्रतिमाह 1000 भुगतान हो रहा है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी बनने के बाद पहली बार राजधानी पहुंचे नितिन नबीन, कहा-

निकाय चुनाव के लिए बनाएंगे रणनीति

रायपुर। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन राजधानी रायपुर पहुंचे. दोनों नेता कल भाजपा कार्यसमिति की बैठक में शामिल होंगे. भाजपा का प्रदेश प्रभारी बनाए जाने के बाद नितिन नबीन का यह प्रथम नगर आगमन है. नितिन नबीन ने आगामी पंचायत व नगरीय निकाय चुनाव को लेकर अपनी बात कही है. उन्होंने प्रदेश प्रभारी बनाए जाने पर सभी का धन्यवाद किया. भाजपा की जीत पर उन्होंने कहा कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव में सभी ने मिलजुल कर काम किया. छत्तीसगढ़ की जनता का आशीर्वाद मिला. सभी कार्यकर्ताओं ने जीत के लिए जोर लगाया.

पंचायत और निकाय चुनाव की रणनीति और तैयारियों को लेकर उन्होंने कहा कि पार्टी के आगे की गतिविधियों पर चर्चा की जाएगी. पंचायत और निकाय के चुनाव अहम मुद्दे रहेंगे. छत्तीसगढ़ की जनता ने पीएम मोदी को आशीर्वाद दिया है. सभी विषयों पर पार्टी की तरफ से नेताओं के तरफ से संवाद होगा.

कांग्रेस की बैठक को लेकर नितिन नबीन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के अंदर जो आंदोलन चल रहा है उसे समाप्त करें बाद में सरकार के खिलाफ आंदोलन करें.

शराब घोटाला: ईओडब्ल्यू ने किया डुप्लीकेट होलोग्राम बनाने वाली कंपनी के स्टेट हेड को गिरफ्तार, परिवहन संबंधी दस्तावेज किए बरामद

रायपुर। आबकारी घोटाले में डुप्लीकेट होलोग्राम से संबंधित महत्वपूर्ण साक्ष्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो के हाथ लगे हैं। ईओडब्ल्यू ने इस मामले में डुप्लीकेट होलोग्राम सप्लाई करने वाली कंपनी प्रिज्म होलोग्राफी सिक्योरिटी फिल्म्स प्रा.लि.के स्टेट हेड दिलीप पांडे को गिरफ्तार किया है। ईओडब्ल्यू ने पूछताछ के दौरान उपलब्ध जानकारी के आधार पर नवा रायपुर स्थित जीएसटी भवन आफिस के भूतल कक्ष में होलोग्राम प्रिंटिंग के सेटअप से जुड़े हुए इंडस्ट्रीयल कम्प्यूटर के हार्ड ड्राइव को, जिसके माध्यम से डुप्लीकेट होलोग्राम के सीरियल नंबरों की छपाई की गई थी उसे जब्त किया है। इसके अतिरिक्त आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने प्रिज्म कंपनी के नोएडा स्थित मुख्यालय से डुप्लीकेट होलोग्राम छपवा कर रायपुर तक परिवहन के लिए उपयोग में आने वाले दस्तावेज, जिसमें डुप्लीकेट होलोग्राम की संख्या एवं अन्य विवरण होते थे, आरोपी दिलीप पांडे ने उसे भी बरामद कराया है। इन दस्तावेजों का परीक्षण किया जा रहा है। पूछताछ के दौरान इस बात की पुष्टि हुई है कि सिंडीकेट के मुख्य आरोपी अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर, अरुणपति त्रिपाठी के संलिप्तता में प्रिज्म होलोग्राफी के मालिक विधु गुप्ता ने 2019 से 2022 के बीच तक फर्जी होलोग्राम छत्तीसगढ़ स्थित डिस्टलरियों को उपलब्ध कराया था।

प्रकृति को हरा भरा बनाना है, एक पेड़ मां के नाम लगाना है: शर्मा

रायपुर। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कबीरधाम जिले में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर जिले के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, स्काऊट गाईड के सदस्य, हरितिमा ग्रुप के सदस्य सहित अधिकारियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर कवर्धा वन मंडल में एक-पेड़-माँ-के-नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने नि:शुल्क पौधा वितरण के लिए स्ट्राईक फोर्स वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रकृति को हरा भरा बनाना है, एक पेड़ मां के नाम लगाना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक-पेड़ माँ-के-नाम प्रारंभ किया गया है। जो मूलत: वृक्षारोपण अभियान है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि कि नि:शुल्क पौधा प्राप्त करने के लिए विभाग द्वार क्यू.आर. कोड जारी किए गए है। जिससे स्कैन करके पौधा प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही 03 सम्पर्क नंबर भी जारी किया है। जिसमें सोमवार से शुक्रवार तक पौधा के लिए मांग किया जाएगा तथा शनिवार एवं रविवार को पौधा वितरण किया जाएगा।

कांग्रेस की बैठक में उपचुनाव व आंदोलन रणनीति को लेकर चर्चा हुई

रायपुर। कांग्रेस की दो महत्वपूर्ण बैठकें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में संपन्न हुई। प्रदेश में लचर कानून व्यवस्था को लेकर विधानसभा घेराव की रणनीति पर चर्चा, बलौदाबाजार में घटित आगजनी, प्रदेश में अपहरण, लूट-पाट, हत्या व आगजनी की घटना के संबंध में चर्चा, केंद्र की एनडीए व राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलन की रणनीति पर चर्चा, रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव की तैयारी एवं रणनीति पर चर्चा, आसन्न नगरीय-निकाय चुनाव की तैयारी व रणनीति पर चर्चा, संगठनात्मक कार्यक्रमों को गति प्रदान करने पर चर्चा की बैठक में रायपुर शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे, रायपुर ग्रामीण अध्यक्ष उधो वर्मा, बलौदाबाजार अध्यक्ष हितेन्द्र ठाकुर, गरियाबंद अध्यक्ष भावसिंह ठाकुर, महासमुंद अध्यक्ष रश्मि चंद्राकर, धमतरी अध्यक्ष शरद लोहाना, बालोद जिला अध्यक्ष चंद्रप्रभा सुधाकर, दुर्ग शहर अध्यक्ष गया पटेल, दुर्ग ग्रामीण निर्मल कोसरे, भिलाई शहर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, बेमेतरा अध्यक्ष बंशी पटेल, राजनांदगांव शहर अध्यक्ष कुलबीर छाबड़ा, राजनांदगांव ग्रामीण अध्यक्ष भागवत साहू, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी, खैरागढ़-छुईखदान- गंडई अध्यक्ष गजेन्द्र ठाकुर, कवर्धा अध्यक्ष होरी राम साहू, जगदलपुर शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य, सुकमा अध्यक्ष महेश्वरी बघेल, कांकेर अध्यक्ष सुभद्रा सलाम, दंतेवाड़ा अध्यक्ष अवधेश गौतम, बिलासपुर शहर अध्यक्ष विजय पाण्डेय, बिलासपुर ग्रामीण अध्यक्ष विजय केशरवानी, कोरबा ग्रामीण अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल, जांजगीर चांपा कार्यकारी अध्यक्ष रमेश पैंगवार, सक्ती अध्यक्ष त्रिलोकचंद जायसवाल, रायगढ़ ग्रामीण और सारंगढ़-बिलाईगढ़ अध्यक्ष अरूण मालाकार, जशपुर अध्यक्ष मनोज सागर यादव, सरगुजा अध्यक्ष राकेश गुप्ता, सूरजपुर अध्यक्ष भगवती राजवाड़े, कोरिया अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव उपस्थित थे।

रायपुर। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जगह बनाने वाले अंबिकापुर के ताईक्वांडो खिलाड़ियों ने बगिया स्थित सीएम कैम्प कार्यालय में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या साय से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान उन्होनें खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए,हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

डीपीआई स्कूलों में होने वाली दुर्घटनाओं के मामले में दिखाई सख्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में होने वाली दुर्घटनाओं की जानकारी न मिलने पर लोक शिक्षण संचालनालय ने अब सख्त रवैया अपनाया है. प्रदेश के सभी संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारियों को लोक शिक्षण संचालनालय ने कड़े शब्दों में पत्र जारी किया है. जिसमें स्कूल में होने वाली किसी भी तरह की घटना की जानकारी तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं.लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी पत्र में कहा है, अमूमन देखा जाता है कि शाला में किसी आकस्मिक दुर्घटना होती है तो इसकी सूचना समाचार पोर्टल के माध्यम से मिलती है. यह खेद का विषय है कि संबंधित अधिकारियों के द्वारा ऐसी सूचना देने में तत्परता नहीं दिखाई जाती है, इस स्थिति में कई बार कार्रवाई नहीं होने पर विभाग की छवि धूमिल होती है. इसलिए आवश्यक है कि संभाग और जिला में मजबूत सूचना तंत्र विकसित किया जाए. डीपीआई ने संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारियों निर्देशित किया है की शालाओं में किसी भी प्रकार की आकस्मिक दुर्घटना जैसे प्लास्टर गिरना, आकाशीय बिजली गिरना, छात्रों से संबंधित दुर्घटना, शिक्षक का शराब पीकर स्कूल आना, अशोभनीय व्यवहार करना इत्यादि घटित होने पर इसकी सूचना संचालक और अन्य उच्च अधिकारियों को तत्काल दूरभाष पर दें. साथ ही घटना से संबंधित यदि कोई प्रसारित समाचार हो तो उसकी जानकारी भी तत्काल व्हाट्सअप में डालें. गंभीर घटना होने की स्थिति में जिला कलेक्टर के संज्ञान में लाकर त्वरित कार्रवाई करें और कृत कार्रवाई का प्रतिवेदन भेजना सुनिश्चित करें.

धान खरीदी केंद्र में धान के उठाव में गड़बड़ी, 3 समिति प्रबंधक, 3 ऑपरेटर को निलंबित

बेमेतरा। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में धान खरीदी केन्द्र मोहगांव के अंतर्गत कुल 9161 मे.टन धान की खरीदी की गई, जिसमें कुल 9055 मे.टन का उठाव होने के पश्चात कुल 106 मे.टन कमी प्रदर्शित है। उक्त शेष धान का निराकरण समिति प्रबंधक/डाटा एन्ट्री ऑपरेटर के द्वारा नहीं किया गया है, जो खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के धान खरीदी नीति की कडिका क्रमांक 16.9 का उल्लंघन है। शासन को हुई आर्थिक क्षति को दृष्टिगत रखते हुए श्री दिगम्बर राजपूत समिति प्रबंधक एवं श्री नितिन साहू डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में धान खरीदी केन्द्र साजा के अंतर्गत कुल 6668 मे.टन धान की खरीदी की गई, जिसमें कुल 6630 मे.टन का उठाव होने के पश्चात कुल 38 मे.टन कमी प्रदर्शित है। उक्त शेष धान का निराकरण समिति प्रबंधक/डाटा एन्ट्री ऑपरेटर के द्वारा नहीं किया गया है, जो खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के धान खरीदी नीति की कंडिका क्रमांक 16.9 का उल्लंघन है। शासन को हुई आर्थिक क्षति को दृष्टिगत रखते हुए श्री दिपक सोनी समिति प्रबंधक एवं श्री शरद वैष्णव डाटा एन्ट्री ऑपरेटर एवं खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में धान खरीदी केन्द्र कुसमी के अंतर्गत कुल 9860 मे.टन धान की खरीदी की गई, जिसमें कुल 9101 मे टन का उठाव होने के पश्चात कुल 38 मे.टन कमी प्रदर्शित है।

छत्तीसगढ़ विजन 2047: छात्रों के विचारों का भी होगा दस्तावेजीकरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ को 2047 तक विकसित राज्य बनाने के उद्देश्य को साकार करने के लिए राज्य नीति आयोग, उच्च शिक्षा विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य नीति आयोग द्वारा अमृत काल - छत्तीसगढ़ विजन 2047 दस्तावेज तैयार किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य राज्य के सभी क्षेत्रों का तीव्र विकास सुनिश्चित करना है। इस के लिए सभी युवा नागरिकों, विद्यार्थियों से सुझाव लेने के लिए राज्य के समस्त महाविद्यालय और शासकीय एवं अनुदान प्राप्त तथा निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों को विकसित छत्तीसगढ़, मेरे सपने का खुशहाल छत्तीसगढ़ विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने होंगे, जिसका मूल्यांकन प्रासंगिकता, वर्तमान स्थिति का आंकलन, नवाचार, व्यवहार्यता, स्पष्टता और प्रस्तुतीकरण जैसे मानदंडों के आधार पर पैनल द्वारा किया जाएगा और सर्वश्रेष्ठ निबंधों को आयोग द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा। राज्य नीति आयोग के सदस्य सचिव श्री अनुप श्रीवास्तव एवं सदस्य श्री के. सुब्रमण्यम ने बताया कि छात्रों को अपने निबंध 1500 से 2500 शब्दों में हिंदी अथवा अंग्रेजी में लिखने होंगे। निबंध में छात्रों को छत्तीसगढ़ की वर्तमान स्थिति का आंकलन करना होगा.

मुख्यमंत्री ने 20 तक सभी पुलों की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट मांगी

रायपुर। बिहार और अन्य राज्यों से पुलों के ढहने की खबरों के बाद छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने राज्य में पुलों की सुरक्षा के प्रति सतर्कता बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और पीडब्लूडी मंत्री अरुण साव के साथ मंथन के बाद पीडब्लूडी के सड़क-पुल डिवीजन ने प्रदेश की नदियों-नालों पर बने पुराने और हर साल लगभग डूबने वाले पुलों का सेफ्टी चेक शुरू कर दिया है। पीडब्लूडी सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने सभी प्रमुख अभियंताओं को निर्देश दिए हैं कि सरकार खतरनाक और जर्जर पुलों के मामले में कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती। उन्होंने बताया कि 20 जुलाई तक सभी पुलों की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट मांगी गई है। इसके तुरंत बाद अच्छे हालात वाले पुलों की मरम्मत शुरू की जाएगी। बरसात में जिन पुलों को बंद करना जरूरी है, उन्हें सभी वैकल्पिक व्यवस्थाओं के साथ इस माह के अंत तक बंद कर दिया जाएगा। जिन पुलों का इस्तेमाल लोग बंद नहीं कर रहे हैं, उन्हें ढहाया जाएगा। शासन ने प्रदेशभर के सड़क-पुल डिवीजन के प्रभारी अफसरों से तत्काल सेफ्टी चेक करने को कहा है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 15 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी बने 'कॉप ऑफ द मंथ'

रायपुर। जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 15 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को जून माह 2024 के लिए कॉप आफ द मंथ चुना गया है. पुलिस कप्तान आईपीएस भावना गुप्ता ने एसपी कार्यालय में इन सभी अधिकारी और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. बता दें कि जिला जीपीएम में अच्छा कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित करने और पुलिसकर्मियों को प्रतियोगिता के जरिए बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से पुलिस कप्तान आईपीएस भावना गुप्ता द्वारा कॉप ऑफ द मंथ योजना चलाई जा रही है जिसके तहत प्रत्येक माह आपराधिक विवेचना, प्रकरण निराकरण, सीसीटीएनएस, डायल 112, सामुदायिक सेवा इत्यादि पुलिस विभाग के कार्यों के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है. गत माह जून 2024 में जिले के गौरेला थाना क्षेत्र में स्थित एसबीआई के सामने युवती की नृशंस हत्या करने वाले फरार आरोपी दुर्गेश प्रजापति के बारे में जानकारी जुटा कर स्ट्रेटेजिकली घेराबंदी कर उसे घटना कारित करने के चंद घंटों में चिचगोहना के जंगल के पास पकड़ने में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले थाना मरवाही के इन पुलिसकर्मियों को मिला कॉप ऑफ द मंथ के ख़िताब से सम्मानित किया गया है. इनमें उप निरीक्षक गंगाप्रसाद बंजारे, आरक्षक विश्वास आले, आरक्षक नारद जगत, आरक्षक इंद्रपाल आर्मो को का नाम

कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को पुलिसिया प्रताड़ना की शिकायत करने कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल डीजीपी को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। बलौदाबाजार मामले में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को गलत तरीके से फंसाने और गिरफ्तारी पुलिसिया प्रताड़ना की शिकायत करने कांग्रेस का एक प्रतिनिधि मंडल डीजीपी से मिलकर ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ कांग्रेस नेता धनेन्द्र साहू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्यनारायण शर्मा, राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम, विधायक देवेन्द्र यादव, पूर्व अध्यक्ष खादी ग्रामोद्योग राजेन्द्र तिवारी, वार रूम अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, महामंत्री सुबोध हरितवाल, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा, बलौदाबाजार जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हितेन्द्र ठाकुर, सद्दाम सोलंकी

शामिल थे।

ज्ञापन में कहा गया कि विगत दिनों बलौदाबाजार जिले में सतनामी समाज ही नही पूरे छत्तीसगढ़ के मानव समाज के आस्था के प्रतीक जैतखांब का आपराधिक तत्वों द्वारा की गयी तोड़-फोड़ के विरोध में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे सतनामी समाज के बीच षडयंत्रपूर्वक कुछ असामाजिक तत्व घुसकर प्रशासनिक कार्यालयों में की गयी आगजनी व तोड़-फोड़ की घटना को अंजाम दिये हैं । स्थानीय पुलिस प्रशासन अपनी लापरवाही व अपनी सूचनातंत्र की विफलता को छुपाने के लिए निर्दोष लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। साथ ही, विपक्षी राजनैतिक दलों के साथ बदले की भावना के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। इसी कड़ी में बलौदाबाजार जिले के भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के विधानसभा अध्यक्ष सूर्यकांत वर्मा को निर्दोष होने के बाद भी गिरफ्तार किया गया है और अब बलौदाबाजार जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष शैलेन्द्र बंजारे को हिरासत में लिया गया है।

राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार के दबाव में पुलिस प्रशासन द्वारा कांग्रेस संगठन के समर्थक निर्दोष पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सतनामी समाज के लोगों के साथ की जा रही पुलिसिया अत्याचार की हम कड़ी निंदा करते हुए इस प्रकार की घटनाओं पर तत्काल रोक लगायी जाने की मांग करते हैं।

संस्थान भारतीय मूल्यों का अभिसरण हैं, एचएनएलयू में ज्यूरिस्ट्स स्पीक में भारत के अटॉर्नी जनरल की टिप्पणी

रायपुर। हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय रायपुर ने 2024 बैच के फ्रेशर्स के लिए अपने अनोखे इंडक्शन वीक के साथ 7 जून 2024 को एक सप्ताह के कार्यक्रम के पहले दिन के प्रारम्भ में ज्यूरिस्ट्स स्पीक कार्यक्रम आयोजित किया था। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रोफेसर वी.सी.विवेकानंदन के संबोधन के साथ हुई, जिसमें नए बैच को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के अलावा विविधता और लिंग के सम्मान करने के लिए अपने दृष्टिकोण को व्यापक करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपनी टिप्पणी में कहा कि यह प्रोफेशन

न केवल शिक्षार्थियों को सशक्त बनाता है बल्कि अपनी सेवाओं के माध्यम से उन लोगों को भी सशक्त बनाता है जो अक्षम हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर इंजीनियर शहरी प्रणाली का निर्माण करते हैं, तो डॉक्टर प्रतिरक्षा प्रणाली का निर्माण करते हैं; वकीलों को न्याय प्रणाली बनाने की जरूरत है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एचएनएलयू के प्रतिष्ठित न्यायविद प्रोफेसर और भारत के विद्वान अटॉर्नी जनरल, श्री आर. वेंकटरमणी ने अपने संबोधन में कहा, भारत के सांस्कृतिक मूल्य और इसका अभिसरण उच्च शिक्षा के प्रत्येक संस्थान में परिलक्षित होता है। उन्होंने आगे कहा कि समुदाय के लाभ के लिए कानूनी शिक्षा द्वारा प्रदान की गई स्वतंत्रता का उपयोग करने का महत्व।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.